10 नीरज चोपड़ा....

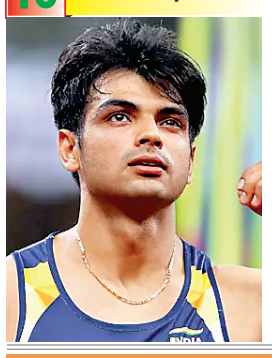

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 कियारा आडवाणी...

रांची, सोमवार, 22 जून 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -08 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

नीतीश उपाध्याय
युवा समाजसेवी

वर्तमान में समाज में युवाओं के भागीदारी जरूरी है। हर युवा को चाहिए कि वह गलत रास्ते की बजाय सही रास्ते को चुने और एक शिक्षित और सुरक्षित वातावरण के समाज का निर्माण में अपनी भागीदारी दे ।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,44,678**

चांदी (प्रति किलो) : **2,70,000**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **76,802.90**

निफ्टी :- **24,013.10**

मौसम

अधिकतम तापमान : **33** °

न्यूनतम तापमान : **25** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:04**

संध्या :- **18:38**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1633 को कैथोलिक चर्च ने महान खगोलशास्त्री और वैज्ञानिक गैलीलियो गैलीली को अपनी इस धारणा को वापस लेने के लिए मजबूर किया था कि पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगाती है।

संक्षिप्त समाचार

तुषार मेहता तीसरी बार बने भारत के सॉलिसिटर जनरल

नयी दिल्ली। देश की कानूनी और न्यायिक व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ तुषार मेहता को एक बार फिर भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के सेवा विस्तार की मंजूरी दे दी है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में तुषार मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव पर विधिक मुहर लगा दी है। यह उनकी लगातार तीसरी पुनर्नियुक्ति है, जिससे देश के शीर्ष अदालतों में सरकार के कानूनी मामलों के प्रबंधन में निरंतरता बनी रहेगी। तुषार मेहता के इस नए कार्यकाल विस्तार के साथ ही एक बड़ा ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी बनने जा रहा है। अक्टूबर 2018 में पहली बार देश के सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्यभार संभालने वाले मेहता का कार्यकाल इससे पहले साल 2020 और 2023 में भी बढ़ाया जा चुका है। सॉलिसिटर जनरल के रूप में वर्तमान में वे लगभग आठ वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं।

रांची में चोरों का आतंक जारी, पड़ोस के घरों को बाहर से बंद कर 12 लाख के गहने ले उड़े

रांची। राजधानी में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं, लगातार चोर किसी न किसी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं, ताजा मामला रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र का है, जहां से चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए 12 लाख के गहने और नगद पैसे भी ले उड़े. रांची के पुंदाग ओपी इलाके में चोरों ने सोनू सोनी नाम के व्यक्ति के घर को निशाना बनाते हुए 12 लाख रुपए के गहने और एक लाख 55 हजार रुपए नगद गायब कर दिए हैं. चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने चोरी में कोई खलल न पड़े, इसलिए वारदात के दौरान आस पड़ोस के घरों के दरवाजों में बाहर से या तो रस्सी बांध दी, या फिर किसी के घर की कुंडी लगा दी.

योग सदियों से भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा : इरफान अंसारी

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। 12वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह रांची विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 6 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, एनएसएस वॉलेंटियर्स , योग प्रशिक्षकों और योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में योग के प्रति जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

बढ़ते तनाव और मानसिक दबाव के बीच योग मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद

योग शुरू करने से पहले स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि योग सदियों से भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। वर्तमान समय में बढ़ते तनाव और मानसिक दबाव के बीच योग लोगों को मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ जीवन के लिए योग अपनाने का संदेश दिया। कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है और मन को भी शांति मिलती है।

योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम

वहीं योग करने आए गणमान्य अतिथियों ने कहा कि डिजिटल युग में बढ़ता स्क्रीन टाइम लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। ऐसे समय में योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देता है और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है। इस अवसर पर योगासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों की सफलता युवा पीढ़ी को योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और मानसिक शांति का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री , रांची विधायक ,अपर मुख्य सचिव ,स्वास्थ्य श्री अजय कुमार , रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि और अधिकारी उपस्थित रहे।

तमिलनाडु में बड़ा हादसा: सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक से 7 महिलाओं की मौत, 60 लोग बेहोश!

एजेंसी

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले से एक बेहद दर्दनाक और बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, पेरियापालयम के पास कन्निगईपैर गांव में स्थित 'सेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स' फैक्ट्री में रविवार को यह भीषण हादसा हुआ। छुट्टी का दिन होने के बावजूद फैक्ट्री में झींगा प्रोसेसिंग का काम चल रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में महिला श्रमिक तैनात थीं। दोपहर के समय फैक्ट्री के मुख्य वाल्व में अचानक आई तकनीकी खराबी के चलते अमोनिया गैस का रिसाव तेजी से पूरी यूनिट में फैल गया। जहरीली गैस के फैलते ही दम घुटने के कारण फैक्ट्री के भीतर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते कई श्रमिक जमीन पर गिरकर तड़पने लगे।

11 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर, नौ गंभीर रूप से बीमार, चेन्नई किया गया रेफर

इस गैस रिसाव की चपेट में आने से अब तक सात युवा महिला कर्मचारियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनकी उम्र 24 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, फैक्ट्री में काम कर रहे करीब 67 श्रमिक गैस के असर से बुरी तरह बीमार हो गए हैं। तिरुवल्लूर की जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि प्रभावित मरीजों में से 46 का इलाज वेल्स हॉस्पिटल में और 21 का इलाज वेंकटेश्वर हॉस्पिटल में चल रहा है। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार, गंभीर रूप से प्रभावित 15 से 16 मरीजों को इंट्यूबेट किया गया है, जबकि 11 मरीज पूरी तरह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इनमें से सबसे गंभीर रूप से बीमार नौ मरीजों को एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जहां डॉक्टरों की विशेष टीम उनके इलाज में जुटी है। हादसे की डरावनी सूचना मिलते ही अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय

आपदा मोचन बल की चौथी बटालियन को तुरंत अलर्ट किया गया। चेन्नई से करीब 30 एनडीआरएफ कमांडो की एक विशेष टीम अत्याधुनिक पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, गैस डिटेक्शन डिवाइस और रासायनिक आपदाओं से निपटने वाले कड़े सुरक्षा उपकरणों के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गई। एनडीआरएफ और स्थानीय दमकल कर्मियों ने संयुक्त रूप से जोखिम भरे ऑपरेशन को अंजाम देते हुए फैक्ट्री के मुख्य वाल्व को बंद कर गैस रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित किया। इसके बाद पूरी यूनिट और आस-पास के इलाके को वेंटिलेट कर पूरी तरह सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया है और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दिए जांच के आदेश, 3 दिनों में मांगी रिपोर्ट

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने इस औद्योगिक हादसे का कड़ा संज्ञान लेते हुए मामले की गहराई से जांच करने के लिए एक उच्चस्तरीय विशेष समिति बनाने का विधिक निर्देश दिया है। तीन सदस्यों वाली इस विशेष जांच समिति में 'औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशक', 'प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव' और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त निदेशक' को शामिल किया गया है।

पीएम मोदी ने कोलकाता में इंडियन नेवी को सौंपे 3 स्वदेशी वॉरशिप

समुद्री ताकत के बिना कोई देश बड़ी शक्ति नहीं बन सकता : पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता में भारत में ही डिजाइन और तैयार किए गए इंडियन नेवी के तीन नए जहाजों को नौसेना में शामिल किया। इनमें एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, सर्वे वेसल आईएनएस संशोधक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट क्धर अग्रय शामिल हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज इंटरनेशनल योग दिवस के साथ-साथ विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी है, और यह एक बेहतरीन संयोग है कि इसी दिन हमने सबसे मॉडर्न हाइड्रोग्राफी जहाज, क्धर संशोधक को नौसेना को सौंपा है। पीएम मोदी ने समुद्र की इम्पोर्टेंस समझाते हुए कहा कि विकास, सुरक्षा और समृद्धि सब कुछ समुद्र से जुड़े हैं। दुनिया का ज्यादातर बिजनेस और इंटरनेट डेटा का नेटवर्क समुद्र के रास्ते ही चलता है। उन्होंने कहा कि जिस देश की समुद्री ताकत मजबूत होती है, उसका आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी दमदार होता है। क्धर विक्रांत से शुरू हुआ यह सफर सिर्फ नए युद्धपोतों का नहीं,

बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का सबूत है।

युवाओं के लिए रोजगार का नया इंजन बनेगा समुद्री क्षेत्र

पीएम ने कहा कि ये तीनों जहाज मेड इन इंडिया हैं, जो भारतीय इंजीनियरों और कामगारों की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। आज भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ एक खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि एक निमार्ता बनना चाहता है। हाल के सालों में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना में शामिल हो चुकी हैं और 45 नए नौसैनिक प्लेटफॉर्म अभी बन रहे हैं। एक आधुनिक जहाज को बनाने में सैकड़ों टन स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स की जरूरत होती है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलता है। आज शामिल किए गए 3 जहाजों को बनाने में 200 से ज्यादा छोटे उद्योगों ने मदद की है, जिससे बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा हुईं। पीएम मोदी ने बताया कि भारत अब समुद्री शक्ति के अगले फेज में एंट्री कर रहा है। इसके लिए शिप बिल्डिंग, रिपेयरिंग और रीसाइक्लिंग को एक नेशनल मिशन की तरह देखा जा रहा है। शिपिंग सेक्टर के लिए घोषित किया गया 70,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पैकेज भारत के समुद्री भविष्य में एक बड़ा इन्वेस्टमेंट है। इसके अलावा सागरमाला जैसी पहलों से बंदरगाहों को आधुनिक बनाया जा रहा है और नदी जलमार्गों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे व्यापार की लागत कम हो रही है।

डिफेंस प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट में भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड

एक समय था जब भारत को दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस इम्पोर्टर के रूप में जाना जाता था, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा होती थीं। लेकिन 2014 के बाद बड़े नीतिगत सुधार किए गए। 2014 तक देश का कुल डिफेंस प्रोडक्शन लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर लगभग 1,80,000 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट जो पहले सिर्फ 700 करोड़ रुपये था, वह अब अभूतपूर्व गति से बढ़कर लगभग 40,000 करोड़ रुपये पहुंच गया है। भारत में बने रक्षा उपकरण आज दुनिया के 80 से ज्यादा देशों में जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इस नए समुद्री युग में पश्चिम बंगाल एक बेहद अहम रोल निभाएगा। यहां की समुद्री अर्थव्यवस्था, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जरूरी हुनर मौजूद है। उन्होंने आखिर में कहा कि भारत हमेशा समुद्र को सहयोग का माध्यम मानता है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए ताकत भी उतनी ही जरूरी है।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पतंजलि परिवार ने जिलेभर में कराया सामूहिक योगाभ्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान, युवा भारत, महिला पतंजलि योग समिति एवं किसान समिति, लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में जिला मुख्यालय सहित विभिन्न प्रखंडों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास कर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी प्रवीण भारती ने व्यवहार न्यायालय परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कराया। वहीं राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला संरक्षक शिव शंकर सिंह तथा जिला कोषाध्यक्ष दिनेश प्रजापति ने सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिर में विद्यार्थियों, विद्यालय प्रबंधन और आम नागरिकों के साथ योगाभ्यास किया।वरिष्ठ योग शिक्षक संजय मधुर ने जिला एक्सीलेंस कम प्लस टू उच्च विद्यालय (नदिया हिंदू प्लस टू विद्यालय) में विद्यार्थियों को योग कराया। युवा प्रभारी अंकित अग्रवाल सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ शामिल हुए। सह जिला प्रभारी शिवराज विजय महतो एवं सुमित उरांव ने बलदेव साहू महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय प्रबंधन के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया।युवा भारत के निर्भय भारतीय ने कुरुक्षेत्र क्षेत्र में, विजय साहू ने किस्को प्रखंड में, विजय सोनी ने सेन्हा प्रखंड मुख्यालय में तथा वरिष्ठ शिक्षक गणेश शास्त्री ने कैरो प्रखंड स्थित अनुग्रह नारायण प्लस टू विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास कराया।भंडरा प्रखंड मुख्यालय स्थित सहकारिता भवन में दैनिक योगाभ्यासियों प्रमोद साहू, प्रदीप साहू एवं वरिष्ठ शिक्षाविद एस. शुक्ला की उपस्थिति में योग, आसन एवं प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में बच्चों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। 10 वर्षीय अथर्व राज भारती एवं गरिमा कुमारी सहित कई बच्चों ने नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प लिया। गुरुकुल शांति आश्रम में आचार्य सरसचंद्र आर्य के नेतृत्व में ब्रह्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इसके अलावा पेशरार के तुईमु में अभय भारती, ईरगांव क्षेत्र में आशीष आर्य तथा पतरा टोली क्षेत्र में महादेव आर्य के नेतृत्व में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस वर्ष की थीम ₹स्वस्थ जीवन के लिए योग₹ को केंद्र में रखते हुए प्रतिभागियों ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ, संतुलित एवं निरोग जीवन जीने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एच यू आर एल के स्पंदन क्लब में योग शिविर आयोजित

सिंदरी /धनबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच यू आर एल) के स्पंदन क्लब में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। योगाचार्य पतंजलि उमाशंकर सिंह ने एचयूआरएल के कर्मचारीयों एवं उनके परिजनों को योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए नियमित योगाभ्यास के लाभों की विस्तार से जानकारी दी। योगाचार्य ने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को दूर कर व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदेश (स्वस्थ आयु के लिए योग) के अनुरूप सभी प्रतिभागियों ने योग के माध्यम से स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का संदेश दिया।

सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

पतरातू: डीएमएफटी योजना के अंतर्गत रामगढ़ जिला के पतरातू प्रखंड स्थित कटिया स्टार चौक के समीप सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के कर-कमलों द्वारा नारियल फोड़कर किया गया। इस निर्माण कार्य का क्रियान्वयन जिला परिषद, रामगढ़ द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि सामुदायिक भवन क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इससे स्थानीय लोगों को विभिन्न सामाजिक गतिविधियों, बैठकों एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं तथा जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य हो रहा है। यह सामुदायिक भवन स्थानीय लोगों के लिए एक उपयोगी संपत्ति सिद्ध होगा और सामाजिक एकता को भी मजबूती प्रदान करेगा।शिलान्यास कार्यक्रम में मुखिया किशोर कुमार महतो, पंचायत समिति सदस्य अनीता जैन, उपमुखिया नंदकिशोर महतो, भाजपा पतरातू मंडल अध्यक्ष रंजन भगत, महेंद्र महतो, वारिस खान, सुजीत कुमार पटेल, गणेश कुमार ठाकुर, वार्ड सदस्य किरण कुमारी, तेरुष देवी, कन्हैया कुमार, रणधीर कपूर, पंकज महतो, महावीर अग्रवाल, गोविंद सोनी, शमशेर आलम, सुनील ठाकुर, निर्मल जैन, राहुल कुमार सिंह, मनीष कुमार, संगीता देवी, रिंकी देवी, अनीता देवी, सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हरमू में आर के हार्डवेयर का शुभारंभ, गृह निर्माण सामग्री अब सुलभ दरों पर उपलब्ध

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा के हरमू में नए हार्डवेयर शोरूम आर के हार्डवेयर (आर के सेल्स) का शुभारंभ जिले के जाने-माने अधिवक्ता मुनिंद्र प्रसाद द्वारा नारियल फोड़कर किया गया। इस प्रतिष्ठान में हार्डवेयर सामग्री के साथ-साथ विभिन्न कंपनियों के पेंट की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। यह प्रतिष्ठान नदिया हरमू सहित कोयल नदी के पार बसे लगभग सभी गांवों के लोगों के लिए गृह निर्माण सामग्री सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर कुलदीप कुमार ने कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को एक ही छत के नीचे गृह निर्माण के सभी सामग्री गुणवत्तापूर्ण एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना है।उद्घाटन समारोह में समाजसेवी राजेंद्र वर्मा, विनय अग्रवाल, प्रदीप नारायण सिंह, राम लखन वर्मा, सागर वर्मा, अभिषेक मिश्रा आशीष कुमार मनोज सोनी दिनेश लोहार केशव उरांव नकुल उरांव नीरज टोप्पो सुजीत उरांव बहुत से राजमिस्त्री एवं ठेकेदार तथा ग्रामीण सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बीएस कॉलेज में योगाभ्यास व जागरूकता पदयात्रा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत केंद्र, लोहरदगा एवं बीएस कॉलेज, लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर कॉलेज परिसर में भव्य योग एवं जन- जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों एवं युवाओं ने भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इसके बाद ₹स्वस्थ वृद्धावस्था₹ तथा ₹योग के व्यक्तिगत एवं सामाजिक लाभ₹ विषय पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पदयात्रा निकाली गई।प्रतिभागियों ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।इस अवसर पर बीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शशि गुप्ता ने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नियमित योग अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ, अनुशासित एवं जागरूक समाज के निर्माण का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में कॉलेज की बर्सर डॉ. सुमन कुजूर, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्जुन लकड़ा तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और योग के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। माय भारत केंद्र, लोहरदगा के जिला युवा अधिकारी अजय कुमार सैनी ने कहा कि योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण का सशक्त आधार है। उन्होंने युवाओं से समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए स्वयंसेवा और जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही ₹ईच वन टीच वन₹ अभियान के तहत सभी ने कम-से- कम एक व्यक्ति को योग सिखाने और उसके लाभों से अवगत कराने का संकल्प लिया। यह आयोजन युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना को मजबूत

फरार वारंटी गिरफ्तार,भेजा गया जेल

पतरातू: पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी तालाताड़ निवासी नदीम अंसारी, पिता स्वर्गीय जैनुल अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 से संबंधित एक मामले में उसके विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और न्यायालय से जारी वारंटों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

मनरेगा सड़क निर्माण कार्य पर ग्रामीणों का हंगामा, जेसीबी से काम कराने का आरोप

लोहरदगा: सेन्हा प्रखंड के उगरा पंचायत अंतर्गत मेढो गांव में मनरेगा योजना के तहत चल रहे मिट्टी-मोरम पथ निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए बंद करा दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि योजना में स्थानीय मजदूरों को रोजगार देने के बजाय जेसीबी मशीन से कार्य कराया जा रहा है, जो मनरेगा के उद्देश्यों के विपरीत है।जानकारी के अनुसार, मनरेगा योजना के तहत मेढो अखरा से सुनील भगत के घर तक तथा राम उरांव के घर से बेला बांध तक मिट्टी-मोरम सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा था। दोनों योजनाओं की अनुमानित लागत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।ग्रामीण मुकेश ठाकुर और कयूम अंसारी ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में जेसीबी मशीन का उपयोग किया जा रहा है और स्थानीय मजदूरों को काम नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने योजना में मजदूरों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की।वहीं, कालीचरण लोहरा, मंगरू लोहरा, तेतरी देवी, कुयमर देवी और लक्ष्यन देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने आशंका जताई कि सड़क निर्माण के कारण उनके घरों के पास कीचड़ की समस्या बढ़ सकती है तथा पेयजल पाइपलाइन दबने का खतरा है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी कहा कि पहले से बने ग्रेड-टू पथ पर मिट्टी-मोरम कार्य की आवश्यकता नहीं है।इस संबंध में मनरेगा के कनिष्ठ अभियंता सूरज कुमार राम ने बताया कि उक्त योजना वर्ष 2022-23 में स्वीकृत हुई थी और प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देशानुसार इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया है।वहीं, संवेदक ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्हें परेशान करने की नीयत से आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच होने पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।ग्रामीणों के विरोध के बाद फिलहाल निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। प्रशासनिक जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता सामने आ सकेगी।

मारवाड़ी युवा मंचएवं चेतना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तसेतु महा रक्तदान शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच की रामगढ़ कैंट शाखा एवं चेतना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 23 जून को आयोजित होने वाले ₹रक्तसेतु झ रक्तदान से जीवनदान₹ महा रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन 21 जून को रामगढ़ के चट्टी बाजार में किया गया। इस अवसर पर मंच के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।महा रक्तदान शिविर का आयोजन रामगढ़ चट्टी बाजार स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य रामगढ़ ब्लड बैंक में रक्त की कमी को दूर करने में सहयोग करना है। वर्तमान में ब्लड बैंक रक्त की सीमित उपलब्धता से जूझ रहा है, जिससे मरीजों एवं उनके परिजनों को रक्त की व्यवस्था के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।शिविर की सफलता के लिए मंच के सभी सदस्य सक्रिय रूप से जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। बाजार के दुकानदारों, शॉपिंग मॉल में कार्यरत कर्मचारियों तथा विभिन्न आवासीय सोसाइटियों के लोगों से संपर्क कर उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक रक्त संग्रहित किया जा सके।रामगढ़ कैंट शाखा के अध्यक्ष श्रींजय मेवाड़ एवं चेतना शाखा की अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान एक महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान देना चाहिए। उन्होंने लोगों से स्वयं रक्तदान करने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।मंच के मीडिया प्रभारी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि किसी रक्तवीर द्वारा दान की गई एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकती है। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की।पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में श्रींजय मेवाड़, धीरज बंसल, आशीष अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल, संतोष गोकुलका, मनजीत साहनी, रमेश बौदिया, रितिक परसरामपुरिया, गुरप्रीत सलूजा, ऋषभ अग्रवाल, चंदन तिवारी, प्रद्युम्न गोयल, राहुल पिलानिया, आयुष बजाज एवं अमन बौदिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पीवीयूएनएल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू: पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) में रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन पूरे उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीवीयूएनएल टाउनशिप ग्राउंड में किया गया। जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, सीआईएसएफ कर्मियों, संविदा कर्मियों तथा छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम में पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) मनीष खेतरपाल, महाप्रबंधक (परियोजना) बिष्णु दत्ता दास, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) ओ.पी. सोलंकी एवं स्वर्णरेखा महिला समिति की अध्यक्षा रेनू सहगल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त सीआईएसएफ के जवानों, विभिन्न संविदा एजेंसियों के प्रतिनिधियों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की लगभग 40 छात्राओं ने भी योगाभ्यास में भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक योग सत्र से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने कॉमन योगा प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों द्वारा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी गई।इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल ने सभी प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन सभी प्रतिभागियों के स्वस्थ एवं निरोग जीवन की कामना के साथ किया गया।

अंसार पंचायत की बैठक संपन्न, शिक्षा और नशामुक्ति पर दिया गया जोर

लोहरदगा। थाना टोली स्थित अंसार भवन में अंसार पंचायत की एक महत्वपूर्ण अवामी बैठक पंचायत अध्यक्ष मुमताज अहमद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज में बढ़ती नशाखोरी, शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक एकजुटता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशापान का बढ़ता चलन समाज, विशेषकर युवाओं को बबार्दी की ओर धकेल रहा है। इस पर रोक लगाने और युवाओं को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।समाज के संरक्षक हाजी शकील अहमद ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि दुनियावी तालीम के साथ-साथ लड़कियों के लिए दीनी तालीम की व्यवस्था भी आवश्यक है। उन्होंने पंचायत की ओर से कोचिंग की व्यवस्था शुरू करने तथा हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। साथ ही अंसार भवन के विकास के लिए आवश्यकतानुसार फंड उपलब्ध कराने की बात भी कही।पंचायत के सचिव हाजी अब्दुल जब्बार ने अपने कार्यकाल के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा कहा कि समाज के पढ़ने-लिखने वाले युवाओं और छात्राओं को आवश्यकतानुसार सहयोग दिया जाएगा। बैठक में मैट्रिक कोचिंग और कंप्यूटर कोचिंग संचालन के लिए हाजी तौहीद आलम तथा नशामुक्ति अभियान के लिए अब्दुल कादिर छोटू को कन्वेनर मनोनीत किया गया।अध्यक्ष मुमताज अहमद ने कहा कि किसी भी समाज के विकास में शिक्षा और स्वास्थ्य की अहम भूमिका होती है। उन्होंने समाज की एकजुटता बनाए रखने और सामूहिक प्रयासों से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।इस अवसर पर हाजी सऊद आलम ने अपने अनुभवों का लाभ समाज को देने तथा पंचायत के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में उपस्थित गणमान्य सदस्यों ने भी समाज की बेहतरी के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।बैठक में सेराज अंसारी, शकील अंसारी, अब्दुल सलाम अंसारी, राजा अंसारी, भोला अंसारी, मो. हाशिम, राजउद्दीन अंसारी, अशरफ अंसारी, सगीर अंसारी, आफताब आलम, सुट्टू अंसारी, सज्जाद अंसारी, पप्पू अंसारी, पम्मी अंसारी, इरशाद अंसारी, इम्तियाज अंसारी, परवेज अंसारी, जावेद अंसारी, मो. शफीक अंसारी सहित अन्य सदस्य

लोहरदगा की गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जाएगा मुहर्रम: सैयद शाहिद अहमद बेलू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

अंजुमन इस्लामिया की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय, सभी समाज और प्रशासन से सहयोग की अपील

लोहरदगा: जिले में मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर रविवार को अंजुमन इस्लामिया कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी सैयद शाहिद अहमद बेलू ने की। बैठक में मुहर्रम के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं पारंपरिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में अंजुमन इस्लामिया के नायब सदर सैयद आरिफ हुसैन बबलू, ज्वाइंट सेक्रेटरी अल्ताफ कुरैशी सहित मुहर्रम कमेटी के कन्वेनर उपस्थित थे। इसमें हाजी सउद आलम, नेहाल कुरैशी, वासीफ कय्यूम, यासीन कुरैशी, रब्बील खान, एजाज कुरैशी, फारूक कुरैशी, हाजी अली रहमान कुरैशी, लुकमान अंसारी, एकरामुल अंसारी, सैयद वसीम, शकील अहमद, इरशाद अहमद, हैदर अली, अब्दुल मोहेमीन बबन, तुफैल अंसारी, अरशद रूहानी, ननका अंसारी, मोजम्मील अंसारी, सैयद माजिद अहमद माजू, एनामुल अंसारी एवं शेराज अंसारी सहित अन्य लोग शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 21 जून को नमाज-ए-ईशा के बाद पांचवीं का जुलूस शहर के विभिन्न मुहल्लों से निकलकर पावरगंज स्थित साहू पेट्रोल पंप के समीप पहुंचेगा, जहां पारंपरिक खेल (अस्त्र-शस्त्र संचालन) का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। 23 जून को सातवीं के अवसर पर समाहरणालय के समीप स्थित कर्बला परिसर में फातिहाख्वानी एवं मेले का आयोजन किया जाएगा। कर्बला कमेटी के कन्वेनर इब्राहिम अशरफी के नेतृत्व में सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 24 जून को आठवीं के दिन छोटी ताजिया को तेतरतर इमामबाड़ा में जुलूस की शक्ल में रखा जाएगा। इसी अवसर पर अंजुमन इस्लामिया के तत्वावधान में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सभी मुहर्रम कमेटियों के लाइसेंसी हजरात के साथ सदर एवं सेक्रेटरी का पारंपरिक पगड़ीपोशी समारोह आयोजित किया जाएगा। 25 जून को नवमी के दिन बड़ी ताजिया जुलूस की शक्ल में रखी जाएगी। इसके बाद बड़ा तालाब के समीप पारंपरिक खेल (अस्त्र-शस्त्र संचालन) प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न अखाड़ों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वहीं एक विशेष टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर विभिन्न कमेटियों के पदाधिकारियों की पगड़ीपोशी भी करेगी। 26 जून को दसवीं मुहर्रम का मुख्य जुलूस दोपहर 2 बजे परंपरागत मार्ग से निकाला जाएगा। अंजुमन इस्लामिया की निगरानी एवं सभी कन्वेनरों के नेतृत्व में निकलने वाला यह जुलूस बड़ा तालाब से प्रारंभ होकर शहर के निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए सोमवार बाजार पहुंचेगा। यहां पारंपरिक खेलों के प्रदर्शन एवं पुरस्कार वितरण के बाद जुलूस का समापन होगा। बैठक को संबोधित करते हुए अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी सैयद शाहिद अहमद बेलू ने कहा कि मुहर्रम केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान, अनुशासन और इंसानियत का संदेश देने वाला अवसर है। उन्होंने जिलेवासियों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा मुहर्रम के सभी कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोहरदगा की पहचान हमेशा गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द की रही है, जिसे कायम रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सैयद शाहिद अहमद बेलू ने पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, नगर परिषद, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं सभी समुदायों के लोगों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन और आम नागरिकों के सहयोग से ही मुहर्रम के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे। उन्होंने सभी अखाड़ों और मुहर्रम कमेटियों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा अनुशासन बनाए रखने का आग्रह किया।

रांची विश्वविद्यालय में योग दिवस समारोह का आयोजन

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और सांसद संजय सेठ हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को रांची विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप में राज्यस्तरीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने राज्यवासियों और देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ पद्धति है. उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कम-से-कम एक घंटा अपने स्वास्थ्य के लिए अवश्य निकालना चाहिए. नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ, ऊर्जावान और संतुलित बनाता है. डॉ अंसारी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य धरोहर है, जिसने सदियों से मानव जीवन को स्वस्थ एवं अनुशासित रखने का कार्य किया है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा. रांची विधायक सीपी सिंह ने योग क्रियाओं को दैनिक जीवन में शामिल करने को लेकर कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क में ही स्वस्थ शरीर का निवास होता है और योग दोनों को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है. उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की. कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षक अर्चना कुमारी, रिया कुमारी और हेमा कुमारी ने सभी प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया.

लोगों ने लिया योगाभ्यास का संकल्प

इस अवसर पर योगासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभा को अतिथियों ने प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देकर कर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की. कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष विभाग, अलग-अलग सरकारी विभागों के पदाधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, योग प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों और हजारों नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया.

पूरी दुनिया ने योग की शक्ति को स्वीकारा

कार्यक्रम में उपस्थित रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज पूरी दुनिया योग की शक्ति को स्वीकार कर चुकी है और 192 देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाली संपूर्ण जीवन पद्धति है. उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्तुत प्रस्ताव को 177 देशों का अभूतपूर्व समर्थन मिला था, जिसके बाद 21 जून 2015 से पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम पर केंद्रित रहा कार्यक्रम

कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है, जो यह संदेश देती है कि योग केवल युवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि वृद्धजनों के स्वस्थ, सक्रिय और सम्मानजनक जीवन के लिए भी अत्यंत उपयोगी है. प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ध्यान और विभिन्न योगासन व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

स्वस्थ व संतुलित जीवन का सशक्त माध्यम है योग- राज्यपाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लोक भवन में सामूहिक योगाभ्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को राजधानी रांची के लोक भवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी शरीक हुए और उन्होंने योगाभ्यास भी किया. लोक भवन के अधिकारियों व कर्मियों के साथ स्कूली बच्चों ने भी योगाभ्यास में भाग लिया. कुल 253 लोगों ने सामूहिक योग किया. राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि योग संपूर्ण विश्व के लिए भारत का अनुपम उपहार है. यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन जीने की समग्र पद्धति है. योग शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित कर व्यक्ति को आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच और आंतरिक शांति की ओर अग्रसर करता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया. यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति और मानव कल्याण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है. राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में जब दुनिया तनाव, असंतुलित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रही है, तब योग एक प्रभावी, सरल और प्राकृतिक समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है. कोरोना महामारी के दौरान भी योग की उपयोगिता को पूरे विश्व ने महसूस किया. योग ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को भी मजबूत किया. उन्होंने लोगों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया. कहा कि स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज ही विकसित भारत की मजबूत आधारशिला बन सकते हैं. उन्होंने योग को जन-जन का अभियान बनाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति व्यापक जनजागरण चलाने पर बल दिया.

परिसीमन के खिलाफ आदिवासी संगठन गोलबंद, दो अगस्त को राजधानी रांची में महाजुटान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। परिसीमन के खिलाफ विभिन्न आदिवासी संगठन गोलबंद हुए हैं. परिसीमन को आदिवासी समाज के ऊपर आघात बताया है. रविवार को प्रेस क्लब में परिसीमन का आदिवासी पर प्रभाव व संभावित समाधान को लेकर परिचर्चा आयोजित की गयी. दो अगस्त को राज्य में परिसीमन के खिलाफ आदिवासियों का महाजुटान होगा. राज्यभर से आदिवासी संगठन के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे. परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि बिना किसी भेदभाव, बाधा या बंधन के आदिवासी एक हैं. आदिवासियों के बीच भेदभाव डालने या दीवार खड़ा करने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी.

परिसीमन आदिवासी संगठन पर आघात

श्री तिर्की ने कहा कि परिसीमन, आदिवासी समाज के ऊपर एक ऐसा आघात है, जिससे प्रभावी तरीके से निपटना और रणनीति बनाकर संघर्ष करना होगा. एसटी-एससी जाति के लिए आरक्षित सीटों की अनुपातिक संख्या को बरकरार रखना अथवा बढ़ाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है. हम सभी इस मामले में गंभीर नहीं रहे तो विस्थापन, पलायन जैसी आपदाओं के बाद परिसीमन एक ऐसी विकट समस्या होगी जिसका खामियाजा संपूर्ण आदिवासी समाज को भुगतना पड़ेगा.

अधिकारों की कटौती स्वीकार नहीं

डॉ बासवी किड़ो ने कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को किसी भी परिस्थिति में खंडित नहीं किया जा सकता है. परिसीमन में आदिवासी हितों की रक्षा हर हाल में करना होगा. अलोका कुजूर ने कहा कि आदिवासी समाज लोकतांत्रिक सुधारों का विरोध नहीं करता है, लेकिन राजनीतिक व संवैधानिक अधिकारों की कटौती स्वीकार नहीं करेगा. बैठक में राज्यभर से 30 से अधिक संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया. बैठक में निर्णय लिया गया कि दो अगस्त की रैली को लेकर राज्यभर में अभियान चलाया जाये. परिसीमन के दुष्प्रभाव को लेकर लोगों को अवगत कराया जाये. बैठक में मारग्रेट मिंज, अनिल पन्ना, लक्ष्मी खलखो, सुषमा बिरली, अनिल उरांव, बरिंग हांसदा, नारायण गोप, पंचानन महतो, अगस्टीग सोरेंग, सुमति सोरेंग और प्रमिला टेटे सहित कई लोगों ने हिस्सा लिया.

घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण मरीजों ने रिकवरी की प्रेरणादायक कहानियां साझा की

पारस एचईसी हॉस्पिटल की स्ट्राइड ऑफ चैंपियंस बनी प्रेरणा का मंच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के तत्वावधान में रविवार को होटल रमाडा में आयोजित स्ट्राइड ऑफ चैंपियंस कार्यक्रम में घुटना प्रत्यारोपण (टोटल नी रिप्लेसमेंट) और कूल्हा प्रत्यारोपण (टोटल हिप रिप्लेसमेंट) सर्जरी करा चुके मरीजों ने रैंप वॉक कर अपने आत्मविश्वास और नई जिंदगी का परिचय दिया। इस विशेष आयोजन में पारस हेल्थ के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. विवेक डेविड एवं उनकी टीम की देखरेख में सफल सर्जरी करा चुके मरीजों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीक, विशेषज्ञ उपचार और नियमित पुनर्वास की मदद से सर्जरी के बाद भी सामान्य, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है।

रैंप वॉक के दौरान मरीजों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और रिकवरी की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. विवेक डेविड ने कहा कि घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण केवल एक सर्जरी नहीं, बल्कि मरीजों को नई जिंदगी देने की प्रक्रिया है। मंच पर मरीजों को आत्मविश्वास के साथ चलते देखना चिकित्सकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए प्रेरणा है, जो अब भी सर्जरी को लेकर संशय मंह हैं। हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी को लेकर लोगों के मन में व्याप्त भय, संकोच और भ्रांतियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिभागियों ने यह साबित कर दिया है कि उचित इलाज और देखभाल से मरीज न केवल सामान्य जीवन में लौट सकते हैं, बल्कि पहले की तरह सक्रिय और आत्मनिर्भर भी बन सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों ने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर योग संगम 2.0 का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। अमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड की दृष्टि एवं मिशन तथा इसके माननीय संस्थापक अध्यक्ष एवं माननीय कुलाधिपति के आशीर्वाद से, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्र कल्याण विभाग द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग संगम 2.0 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशव्यापी मुख्य समारोह के साथ आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता, पश्चिम बंगाल से कर रहे थे। इस वर्ष भारत का संदेश पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है—योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की एक विशेष थीम होती है, जो समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को दर्शाती है। इस वर्ष भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित विषय स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक और सार्थक है। अमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव ने सभी को नियमित रूप से योगासन करने के लिए प्रेरित किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में एक योग केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक दैनिक यात्रा है। उन्होंने कहा, ह्लचाहे आपकी आयु आठ वर्ष हो या अस्सी वर्ष, योग हर किसी को कुछ न कुछ सुंदर प्रदान करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आपके लिए उस यात्रा की शुरूआत या उसके पुनः आरंभ का अवसर बने। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नटराज योग संस्थान, रांची की योग प्रशिक्षक सुश्री श्रीमोयी चटर्जी के निर्देशन में 45 मिनट के कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों के बीच योगासन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें अमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनी शर्मा तथा अमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड की छात्रा सुश्री अंशिका को विजेता घोषित किया गया।

रांची में युवती का शव बरामद, दुष्कर्म के बाद कार से कुचलने की आशंका

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र में एक 25 वर्षीय युवती का शव सड़क से बरामद किया गया है. आशंका जताई जा रही है की दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या कर उसे वाहन से कुचल दिया गया है, ताकि पूरा मामला हादसे जैसा लगे.

पहले दुष्कर्म फिर मार डाला

रांची के तुपुदाना में एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया गया है. स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार युवती के शव को देखने से ऐसा लगता है कि पहले उसके साथ अनैतिक काम किया गया और फिर उसे वाहन से कुचल कर मार डाला गया. मामले की जानकारी मिलते ही तुपुदाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. मौके एफएसएल टीम को भी बुलाकर जांच करवाई गई है.

सीसीटीवी खंगालाने में जुटी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए तुपुदाना पुलिस युवती की पहचान करने के साथ-साथ सड़क पर लगे हर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाल रही है. पुलिस के अनुसार, युवती को कहीं से उठाया गया होगा या फिर उसे कार में लाने वाले उसके जानकर होंगे. सीसीटीवी फुटेज के जरिए पुलिस आरोपियों तक पहुचने की कोशिश कर रही है.

कई बार युवती को देखा गया: स्थानीय

मृतक युवती की उम्र 25 साल के आसपास की है. स्थानीय लोगों ने बताया कि युवती को उन्होंने इस इलाके में कई बार देखा जरूर है, लेकिन वे उसे पहचानते नहीं है. पहचान नहीं होने के कारण भी पुलिस को जांच में दिक्कतें आ रही हैं. वहीं, मामले को लेकर हटिया डीएसपी नीरज ने बताया कि मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है.

झारखंड स्पोर्ट्स सोसाइटी की प्रथम वार्षिक बैठक, खेल विकास और पूर्व खिलाड़ियों के हितों पर हुई चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड स्पोर्ट्स सोसाइटी की प्रथम वार्षिक आम सभा रविवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई. इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के खेल जगत से जुड़े पूर्व राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रशासकों, खेल अधिकारियों, खेल पत्रकारों और खेल विशेषज्ञों ने भाग लिया. बैठक की अध्यक्षता आईपीएस अधिकारी एवं वरिष्ठ खेल प्रशासक डॉ सरोजिनी लाकड़ा ने की.

बैठक में लगभग 55 पूर्व खिलाड़ी हुए शामिल

सभा में लगभग 55 पूर्व राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की उपस्थिति रही. बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के पूर्व खिलाड़ियों के अस्तित्व, पहचान और सम्मान को बनाए रखने के साथ-साथ झारखंड में खेलों के समग्र विकास को लेकर एक ठोस रणनीति तैयार करना था. इस दौरान युवा खिलाड़ियों के सामने मौजूद चुनौतियों और समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई.

खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने पर बनी रणनीति

बैठक में झारखंड स्पोर्ट्स सोसाइटी के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों के गठन, राज्य में समय-समय पर खेल कार्यक्रमों के आयोजन और खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के विषय पर विचार-विमर्श किया गया. इसके अलावा झारखंड स्पोर्ट्स क्लब और सीनियर स्पोर्ट्स सेंटर के संचालन की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई. सदस्यों ने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के अनुभव का लाभ नई पीढ़ी के खिलाड़ियों तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है.

खेल और खिलाड़ियों के बीच हो बेहतर समन्वय: जेएसएस

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड स्पोर्ट्स सोसाइटी राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करने, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, खिलाड़ियों और खेल संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएगी. संगठन खेल प्रतिभाओं की पहचान, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और खेल संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन पर विशेष ध्यान देगा. बैठक में मौजूद सदस्यों ने झारखंड को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों को नई पहचान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया. वक्ताओं ने कहा कि राज्य ने हॉकी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और अन्य खेलों में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी देश को दिए हैं. ऐसे में खेल विकास के लिए पूर्व खिलाड़ियों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बुंडू अनुमंडल कार्यालय में हुआ योग कार्यक्रम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बुंडू अनुमंडल कार्यालय परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को योग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक और शारीरिक संतुलन बना रहता है। इस अवसर पर अधिकारियों ने लोगों से अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक प्रभावी पद्धति है। योग कार्यक्रम में बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, एसडीएम मोहनलाल मरांडी,अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक अभिनाश सोय, नगर पंचायत प्रशासक शुभम पोद्दार , सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

नीट यूजी-2026 पुनर्परीक्षा: झारखंड के 67 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित नीट यूजी 2026 पुनर्परीक्षा रविवार को झारखंड के 67 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई. राजधानी रांची में सर्वाधिक 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए. परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे. जिला प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केंद्रों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई. इसके साथ ही महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों को भी सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई. परीक्षा केंद्रों के बाहर विशेष निगरानी रखी गई ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की स्थिति उत्पन्न न हो. अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्रों पर प्रवेश, पहचान सत्यापन और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया गया.

रांची के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) कुमार रजत ने बताया कि जिले के सभी 21 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई. उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को सुरक्षित और सहज वातावरण उपलब्ध कराना था. इसके लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल, मजिस्ट्रेट और निगरानी टीमों की तैनाती की गई थी. एसडीओ कुमार रजत ने कहा कि रांची के सभी परीक्षा केंद्रों पर नीट यूजी री-एग्जाम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई है. सभी केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे. महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी. परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं.

परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने भी परीक्षा व्यवस्था पर संतोष जताया. हालांकि कुछ विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र के स्तर और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर अपनी राय साझा की. अभ्यर्थी अंजलि कुमारी ने कहा कि इस बार का प्रश्नपत्र पहले टर्म की तुलना में थोड़ा संतुलित लगा। अधिकांश प्रश्न सिलेबस के अनुरूप थे और परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था भी अच्छी थी. वहीं राहुल कुमार ने कहा कि पेपर का स्तर ठीक था. पिछले प्रयास की तुलना में प्रश्नों को समझना थोड़ा आसान लगा. हालांकि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार बदलाव और अनिश्चितता के कारण विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव बना रहता है. स्नेहा तिर्की ने कहा कि परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा और बैठने की व्यवस्था अच्छी थी. हमारी कोशिश रहती है कि तैयारी के अनुसार प्रदर्शन करें लेकिन परीक्षा तिथियों और प्रक्रियाओं में किसी तरह की अनिश्चितता छात्रों के लिए तनाव का कारण बनती है. झारखंड के सभी 67 केंद्रों पर नीट यूजी 2026 पुनर्परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई. परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थी केंद्रों से बाहर निकले और अपने प्रदर्शन को लेकर संतोष जताते हुए बेहतर परिणाम की उम्मीद व्यक्त की.

11 करोड़ की लागत से बनी एदेलहातु-लाबगा सड़क पर भ्रष्टाचार का आरोप, सड़क उखड़ने पर भड़के आजसू नेता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के बुंडू के एदेलहातु से लाबगा तक निर्मित सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आजसू पार्टी के रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा ने सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। राजकिशोर कुशवाहा ने कहा कि लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क की स्थिति निर्माण के कुछ समय बाद ही खराब हो गई है। उनका आरोप है कि कई स्थानों पर सड़क उखड़ चुकी है तथा निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि मिट्टी के ऊपर सीधे अलकतरा बिछाने एवं पुराने सड़क के ऊपर नाममात्र की परत चढ़ाकर कार्य पूरा कर दिया गया, जिसके कारण सड़क की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की वर्तमान स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। क्षेत्रीय ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राजकिशोर कुशवाहा ने संबंधित विभाग से पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने तथा दोषी एजेंसी एवं अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। आजसू नेता ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से बनने वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो पार्टी जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी।

ट्रेन में शराब तस्करी की कोशिश नाकाम, 36.690 लीटर विदेशी शराब के साथ चार तस्कर दबोचे गए

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। रेलवे मार्ग से शराब की तस्करी करने की एक बड़ी कोशिश को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की अपराध शाखा (सीबीआई) मालदा ने विफल कर दिया। विशेष अभियान के तहत की गई कार्रवाई में उदना स्पेशल फेयर समर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 09034) से 36.690 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेलवे में बढ़ती अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सीबीआई/मालदा की टीम ट्रेनों में लगातार निगरानी और जांच अभियान चला रही थी। इसी क्रम में बरहरवा स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद कोच संख्या एस-7 में यात्रा कर रहे चार युवकों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। उनके पास मौजूद भारी बैगों को देखकर टीम ने उन्हें रोककर पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान जब बैगों की तलाशी ली गई तो उनमें विभिन्न कंपनियों की विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 36.690 लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 29,620 रुपये आंकी गई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे शराब को बिहार के जमालपुर इलाके में ले जाकर अवैध रूप से बेचने की योजना बना रहे थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि सभी आरोपी संगठित तरीके से शराब तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं और रेलवे मार्ग का उपयोग कर शराब की आपूर्ति कर रहे थे। कार्रवाई के बाद सीबीआई/मालदा ने बरामद शराब, बैग एवं अन्य संबंधित सामान को जब्त कर लिया तथा चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। बाद में सभी आरोपियों और जब्त सामग्री को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज को सौंप दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल कर अवैध शराब, मादक पदार्थों एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सीबीआई/मालदा की इस कार्रवाई से एक बार फिर यह साबित हुआ है कि रेलवे सुरक्षा बल अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर रहा है। इस सफलता को रेलवे मार्ग से संचालित अवैध शराब तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर न्यू अल्फा इंग्लिश मीडियम स्कूल में योग का उत्साह, विद्यार्थियों ने सीखे स्वस्थ जीवन के मंत्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर न्यू अल्फा इंग्लिश मीडियम स्कूल, कोटालपोखर में रविवार को सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक - शिक्षिकाओं एवं छात्र - छात्राओं ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया और योग के महत्व को समझते हुए विभिन्न योगासन किए। योग सत्र के दौरान विद्यार्थियों को प्राणायाम, ध्यान एवं कई महत्वपूर्ण योगासनों का अभ्यास कराया गया। शिक्षकों ने योग के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन तथा आत्मिक शांति प्राप्त करने के उपायों पर प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि नियमित योगाभ्यास से तनाव कम होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं शिक्षक रेखा मेम, दीपक सर, भावना मेम, निक्की मिस, मिनी मिस, जानवी मिस, रोहित सर, शांति मिस, बबिता मेम, रिम्पी मिस एवं सकीना मेम सहित अन्य शिक्षककर्मी उपस्थित रहे। वहीं परी, खुशी, प्रेम, भाग्यश्री, जयकांत, अहिल, जय कुमार, सागर समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने और स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

सिंचाई कुएं से 35 वर्षीय दिव्यांग युवक का शव बरामद, हत्या या हादसा? पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

राजमहल/साहिबगंज।राजमहल थाना क्षेत्र के लालमाटी पंचायत अंतर्गत संग्रामपुर गांव में रविवार को एक सिंचाई कुएं से 35 वर्षीय दिव्यांग युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव संग्रामपुर स्थित महुआ बागान मैदान से लगभग 200 मीटर दूर विनोद चौधरी के आम बगीचे में बने सिंचाई कुएं में पानी के ऊपर तैरता हुआ मिला। मृतक ने लाल रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी।शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घटना को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। सूचना मिलने पर पंचायत की मुखिया बबीता देवी, जिला परिषद सदस्य सुष्मिता देवी के पति राजेश मंडल तथा राजमहल थाना के एएसआई सर्जन मुर्मू, बीआरजे नंदन चौधरी, महादेव उरांव एवं अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला।शव की पहचान महासिंहपुर पंचायत के बुढहन टोला निवासी होप्पोमोय मुर्मू के दिव्यांग पुत्र मंगल मरांडी (35) के रूप में हुई। पहचान होते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की मां ने बताया कि उनका बेटा बुधवार सुबह करीब 8 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार को उसकी मौत की सूचना मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। शव को अस्पताल के शवगृह में रखा गया है, जहां सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।पुलिस मामले की हर पहलू से गहन जांच कर रही है। यह हत्या का मामला है, दुर्घटना है या फिर कोई अन्य कारण, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। समाचार लिखे जाने तक परिजनों द्वारा थाना में आवेदन देने की प्रक्रिया जारी थी।

मुहर्रम को लेकर कोटालपोखर थाना में शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

बरहरवा/साहिबगंज। आगामी 27 जून को आयोजित होने वाले मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को कोटालपोखर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी पवन कुमार ने की, जबकि बरहरवा पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, मुहर्रम कमिटी के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान पर्व के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई तथा सभी समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने की अपील की गई। थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि मुहर्रम के दौरान कानून - व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक या सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल प्रशासन को जानकारी देने की अपील की। बैठक में जानकारी दी गई कि इस वर्ष मुहर्रम का आयोजन कोटालपोखर एवं बड़ा सोनाकर में किया जाएगा। पर्व के दौरान जुलूस मार्गों, प्रमुख चौक - चौराहों और संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके। प्रशासन की ओर से मुहर्रम कमिटी को निर्देश दिया गया कि वह 15 सदस्यीय स्वयंसेवी टीम का गठन कर उसकी सूची थाना को उपलब्ध कराए। वहीं कमिटी के सदस्यों ने जुलूस के दौरान एम्बुलेंस, चिकित्सक, आवश्यक दवाइयों एवं प्राथमिक उपचार किट की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग रखी। इस पर थाना प्रभारी ने संबंधित मांगों को लेकर विधिवत आवेदन देने की सलाह दी, ताकि आवश्यक प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने मुहर्रम पर्व को आपसी सद्भाव, शांति और भाईचारे के साथ मनाने का संकल्प लिया तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रशासन ने भी लोगों को आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

501 कलश के साथ निकली भव्य कलश यात्रा, हरिपुर शिवालय में शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हरिपुर शिवालय में रविवार से पांच दिवस राधा कृष्ण, गणेश भगवान एवं बजरंगबली का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूजन कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। सुबह 501 कलश के साथ महिलाए कलश यात्रा में शामिल हुए। ढोल नगाड़ा गाजे बाजे घोड़ा और रथ के साथ मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकलकर कॉलेज रोड, पूर्वी फाटक, एसडीओ कोठी, ओझा टोली, मां बायसी मंदिर समीप स्थित गंगा तट से जलभर कर वैदिक मंत्रोचारण के साथ कलश पूजन करके कलश यात्रा गंगा तट से निकलकर घाट रोड, बड़तल्ला स्ट्रीट, कृष्णनगर, ग्रीन होटल चौक, कॉलेज रोड होते हुए हरिपुर शिवालय पहुंचकर कलश यात्रा संपन्न हुआ। समिति अध्यक्ष ने बताया कि पहला दिन कलश यात्रा निकला, 22 जून को गाजे बाजे के साथ राधा कृष्ण, गणेश भगवान एवं बजरंगबली मूर्ति का नगर भ्रमण कराया जाएगा। 23 जून को फलाधिवास, 24 जून को अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, सज्जा अधिवास व फलाधिवास होगा। 25 जून को प्राण प्रतिष्ठा व संध्या में भोग वितरण किया जाएगा। मौके पर पप्पू स्वर्णकार, संतोष मोदी, श्रवण मोदी, कुंदन साह, संजय यादव, नीरज कुमार, मुन्ना यादव, आशीष यादव, राजा सहित सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल थे।

योग से गूंजा साहेबगंज: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सिद्धू कानू इंडोर स्टेडियम में हुआ भव्य सामूहिक योगाभ्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, साहेबगंज के तत्वावधान में रविवार को प्रातः सिद्धू-कान्हू इंडोर स्टेडियम में भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम ₹स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग₹ को केंद्र में रखकर आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कर्मियों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में उपस्थित प्रतिभागियों ने ताड़ासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, भुजंगासन, प्राणायाम एवं ध्यान सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, स्वास्थ्य कर्मियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन जिले में स्वास्थ्य जागरूकता, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। साथ ही यह आयोजन समाज के प्रत्येक वर्ग को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा योग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को सशक्त बनाने में सफल रहा।

अध्यक्ष बने चंदन सिंह, महासचिव रब नवाज,झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिला कमिटी का हुआ पुनर्गठन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। सिदो कान्हू सभागार में रविवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक राज्य से मनोनीत जिला प्रभारी शौकत खान की निगरानी एवं बीएसपीएस राष्ट्रीय पार्षद शिवशंकर निराला, राज्य सचिव अरविंद ठाकुर, संयुक्त सचिव नंदन झा, डिजिटल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार की उपस्थिति में हुई। इसके पूर्व पुरानी कमिटी को भंग कर दिया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से चंदन सिंह को जिला अध्यक्ष, भूदेव कुमार, अब्दुल मन्नान व अफसर अली को उपाध्यक्ष, रब नवाज आलम को महासचिव, आलोक कुमार व मो गुलजार को सचिव, अमित कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष एवं बृजेन्द्र कुमार दीपक केसरी अभिलेख मरांडी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। मौके पर अमित चौधरी, जहांगीर आलम, रिजवानुल हक, फतेह आलम, कालीचरण मंडल, श्रीकांत यादव, मेहताब आलम, विकास सिंह, कृष्णकांत कुमार, संतोष चौरसिया, एमके यादव, केएन यादव, अमित साह, सागर सुमन, राकेश रमन सरकार, भाष्कर घोष, कमल हुसैन, सपन कुमार, मिथुन यादव, अभिषेक, सरोज झा, फरोग अहसन, उदित नारायण, रूपेश कुमार, धनंजय हलदर, आंनद कुमार, गोविंद ठाकुर, इमरान, संदीप सिंह, विजय केजरीवाल, शंकर पंडित, हलीम अंसारी, पवन कुमार, सोनू ठाकुर, मानव दत्ता, संजय मोदी, अजीत कुमार झा, नागराज, बृजनंदन, दीपक डोकानिया, सहेंद्र, श्रीकांत सेन, बिपिन राज, केदार साह, मलिक अख्तर, देव आर्यन, रंजन पासवान, चंदन, वसीम आलम, अभिमिलेख मरांडी, अमित राज सिंह, अरविंद यादव, मुन्ना यादव, विकास शर्मा, राजेश कुमार, आनंद चौधरी सहित अन्य मौजूद थे।

मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं उनकी रोकथाम के प्रचार प्रसार को लेकर उपायुक्त द्वारा हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड रांची के निदेश के आलोक में जिला खेल कार्यालय, साहेबगंज द्वारा मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं उनकी रोकथाम को लेकर फूलों झानो इनडोर स्टेडियम में उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किए। इस अवसर पर कई पदाधिकारी एवं आम नागरिक खिलाड़ी, विद्यार्थी उपस्थित थे। वहीं जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को प्रातः 6:00 बजे से महिला एवं पुरुष वर्ग के बीच क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया जाएगा।पुनः संध्या 4 बजे से चांद भैरव इनडोर स्टेडियम साहेबगंज में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को रोकने हेतु आम नागरिकों एवं विशेष कर युवाओं को प्रेरित करना है ताकि युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया जाए। सभी मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाये।युवाओं एवं खिलाड़ियों में मादक पदार्थों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश का प्रसार करना है। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। इस मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक-सह- जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी , कोच योगेश यादव, प्रकाश सिंह बादल समेत अन्य मौजूद थे।

योग करने से हम निरोग रहते हैं, इसलिए हर व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए: बीडीओ

उधवा/साहिबगंज।अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उधवा प्रखंड क्षेत्रों में योग दिवस मनाया गया। इसी क्रम में राधानगर थाना परिसर में एवं उधवा प्रखंड में तथा झारखंड राज्य के एकमात्र पक्षी अभ्यारण्य पतौड़ा झील में योग योगाभ्यास कराया गया। वही सूर्य नमस्कार, योग, आसन, प्राणायाम कराते हुए योग प्रशिक्षक वेद जी ने बताया कि नियमित योग करने से हम निरोग रहते है, आज के वर्तमान युग में योग को करना अनिवार्य हो गया। सभी योग और आसान के लाभ के बारे में विस्तृत पूर्वक बताया गया। योग से सभी रोग से मुक्ति पा सकते है। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी विशाल पांडेय ने तथा राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज भी योग के महत्व के बारे में बताते हुए कहा की आज की इस भाग दौड़ और तनाव भरी जिंदगी में योग और प्राणायाम महत्वपूर्ण है। योग करने से मनुष्य की कार्य क्षमता और कार्य कुशलता में निपुणता आती है। अनियमित दिनचर्या और खानपान से शरीर के साथ मानसिक रूप से व्यक्ति कई तरह के रोग से ग्रस्त होते जा रहे। आज आवश्यकता है कि प्रति दिन प्रातः हर व्यक्ति को योग करने चाहिए। इस योग दिवस का आयोजन इस लिए किया जाता है की योग के लाभ के बारे में लोगो को पता चले। आज योग के फलस्वरूप भारत देश को पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त हुई है। इस दौरान एसआई सुबोध मुर्मू , संग्राम सोय मरांडी,जुमराती अंसारी,असलम खान, सरफुद्दीन खान,गंगा प्रसाद यादव, एएसआई हाकीम मुर्मू, बिकटा राम मुर्मू, पंचायत सचिव दयानंद प्रसाद, सत्यनारायण रजवार , संतोष कुमार सुमन, नकुल कुमार मंडल, मोनिका मुर्मू,जनसेवक सनातन कृष्ण सिन्हा, नवीन कुमार, राजेश कुमार, सेबेस्टिन हांसदा, रोजगार सेवक शमशाद अली, सुकृति मंडल, मऊद आलम, बीएफटी सद्दाम हुसैन, जितेन मंडल,अब्दुल रजाक, शिक्षक हारून रशीद सहित अन्य उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बरहरवा में भव्य योग शिविर, सैकड़ों लोगों ने लिया स्वास्थ्य का संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बरहरवा हाई स्कूल मैदान योगमय वातावरण में सराबोर हो गया। आदित मेडिकल, बरहरवा के तत्वावधान में समाजसेवी सुमन कुमार के सहयोग तथा बरहरवा उच्च विद्यालय के प्राचार्य एवं योग प्रशिक्षक अभिनव कुमार शास्त्री के निर्देशन में एक दिवसीय योग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में नगर के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया और योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें युवाओं, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षक अभिनव कुमार शास्त्री ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। योग शिविर में कांग्रेस के साहिबगंज जिला अध्यक्ष बरकत खान, कमल भगत, बरहरवा स्टेशन प्रबंधक गुप्ता जी, अंचल पदाधिकारी अनोज कुमार समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए लोगों से नियमित योग करने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी समाजसेवी सुमन कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सकारात्मक बनाने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग तक योग का संदेश पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर के सफल आयोजन में रंजीत रमानी, कमल सिंह, ललन कुमार भगत, अमित गुप्ता, चंदन गुप्ता, गोपाल कुमार झा एवं मनोज कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी सहयोगियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं से लेकर जनसंपर्क तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। कार्यक्रम के अंत में आयोजक आदित मेडिकल की ओर से सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। योग शिविर का समापन स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

उधवा प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा/साहिबगंज। उधवा प्रखंड के विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान योग दिवस में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्राणपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पतौड़ा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेगमगंज, प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सुतियारपाड़ा, और उत्क्रमित बोतलू टोला आदि स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर योग का अभ्यास किया।योग विशेषज्ञों और शिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के योग का अभ्यास कराया। बच्चों को केवल आसन करना ही नहीं सिखाया गया, बल्कि उन्हें योग के शारीरिक और मानसिक लाभों के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। इस अवसर स्कूलों के शिक्षकों एवं योग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा योग हमारी भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य प्राचीन विरासत है, जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन और आत्मा को भी जोड़ने का काम करती है। यह सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। आज के तनावपूर्ण दौर में योग हमें मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। बच्चों को कम उम्र से ही योग से जोड़ना उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन्हें स्वस्थ शरीर और शांत मन प्रदान करता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर तीनपहाड़ थाना व विद्यालयों में हुआ योगाभ्यास

तीनपहाड़/साहिबगंज।अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को तीनपहाड़ थाना परिसर में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्री पांडेय ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी लोगों से नियमित रूप से योग करने की अपील की। वहीं, मध्य विद्यालय तीनपहाड़ एवं उच्च विद्यालय तीनपहाड़ में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नियमित योग करने तथा अपने दैनिक जीवन में इसे शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। योग दिवस के आयोजन से थाना परिसर एवं विद्यालयों में स्वास्थ्य, अनुशासन और जागरूकता का सकारात्मक संदेश

उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं सतत निगरानी के बीच नीट-युजी 2026 परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-युजी) 2026 का आयोजन जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, सुदृढ़ प्रशासनिक निगरानी एवं शांतिपूर्ण वातावरण के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मेघा भारद्वाज ने डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (बालिका), पाकुड़ एवं पाकुड़ पॉलिटेक्निक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं सत्यापन प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अभ्यर्थियों को भयमुक्त, पारदर्शी एवं अनुकूल परीक्षा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। जिले में नीट-युजी 2026 परीक्षा के लिए कुल दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। दोनों केंद्रों पर कुल 548 परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी, जिनमें से 500 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 48 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में कुल उपस्थिति प्रतिशत 91.24 दर्ज किया गया। परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई।उपायुक्त ने परीक्षा संचालन में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, शिक्षकों, कर्मियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग, अनुशासन एवं प्रतिबद्धता के कारण जिले में ठएएळ-वऋ 2026 परीक्षा का सफल एवं व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित हो सका।

चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में सफलता पर अंजली गुप्ता सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/धनबाद। सिंदरी की प्रतिभाशाली छात्रा सुश्री अंजली गुप्ता ने सीए विवेक नेवाटिया एवं एस. जयकिशन फर्म ,कोलकाता के मार्गदर्शन में चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा 2026 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर क्षेत्र, परिवार एवं समाज का गौरव बढ़ाया है।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला ग्रामीण के निवर्तमान जिला महामंत्री श्री मनोज मिश्रा, भाजपा सिंदरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष श्री विजय सिंह तथा सिंदरी के प्रबुद्ध नागरिकों ने अंजली गुप्ता के आवास पहुंचकर उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उपहार भेंट कर शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि अंजली की यह सफलता कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं निरंतर प्रयास का परिणाम है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं एवं छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।श्री मनोज मिश्रा ने अंजली गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे सिंदरी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अंजली के माता-पिता श्री लाल बाबू गुप्ता एवं श्रीमती पुष्पा देवी को भी इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे माता-पिता के संस्कार, त्याग एवं मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।उपस्थित लोगों ने अंजली गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन में निरंतर प्रगति की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं कर्मठता से समाज एवं राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

चट्टी बरियातु कोयला परियोजना में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास से मना

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

केरेडारी: एनएमएल चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना में रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन पूरे उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। इस वर्ष योग दिवस की थीम ₹स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग₹ रही। कार्यक्रम में एनएमएल सीबीसीएमपी के परियोजना प्रमुख धनंजय श्रीखंडे तथा संस्कृति महिला समिति की अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीखंडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर परियोजना के कर्मचारियों, उनके परिजनों तथा टाउनशिप के निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विशेषज्ञ योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

योग का संदेश:

इस मौके पर योग को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम बताते हुए शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति तथा स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने योग के प्रति उनकी जागरूकता और स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाया।

पीएम किसान योजना के नाम पर ठगी से सावधान रहें : पवन तिग्गा

लोहरदगा: प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना की किस्त जारी होने के बाद किसानों को साइबर ठगी और दलालों से सावधान रहने की जरूरत है। इसे लेकर लोहरदगा के भाजपा नेता पवन तिग्गा ने किसानों से सतर्क रहने की अपील की है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम किसान योजना की राशि पात्र लाभुकों के बैंक खातों में सीधे भेजी जाती है। यदि किसी लाभुक के खाते में राशि नहीं पहुंची है या कोई नया आवेदन कराने के नाम पर पैसे की मांग कर रहा है, तो ऐसे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पीएम किसान योजना का लाभ दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति, दलाल या प्रज्ञा केंद्र संचालक को पैसे नहीं दें।पवन तिग्गा ने कहा कि कई साइबर अपराधी और बिचौलिए किसानों को झांसे में लेकर ठगी करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, आधार संख्या, ओटीपी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें।उन्होंने किसानों से अपील की कि पीएम किसान योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए केवल सरकारी पोर्टल, कृषि विभाग या अधिकृत अधिकारियों से ही संपर्क करें। यदि किसी प्रकार की धोखाधड़ी या ठगी की आशंका हो तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों या साइबर हेल्पलाइन को दें।भाजपा नेता पवन तिग्गा ने कहा कि किसानों की मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे, इसके लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे जरूरी है।

करो योग रहो निरोग का करें पालन: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा

...व्यवहार न्यायालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

लोहरदगा:12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान जिला लोहरदगा के बैनर तले सिविल कोर्ट लोहरदगा में जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती एवं उनके टीम द्वारा सभी माननीय सभी जज एवं कर्मचारियों का योग प्रोटोकाल के तहत योगाभ्यास कराया गया। सर्वप्रथम वैदिक प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन किया गया। जिसके बाद ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, त्रिकोणासन, ऊर्ध्व हस्तासन, पादहस्तासन, सेतुबंधासन, वज्रासन, मंडूकासन, शशकासन, वक्रासन, मकरासन, अर्ध हलासन आदि आसनों सहित अनुलोम विलोम, कपालभाति प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास में योग प्रशिक्षक खुशी भारती, गरिमा भारती एवं पतंजलि योग समिति के अभय भारती ने सहयोग किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारती ने बताया कि योगाभ्यास प्रतिदिन विधिपूर्वक, नियमानुसार, समय के साथ एवं एकाग्रता पूर्वक निरंतरता के साथ करना चाहिए।आज प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ एवं ऊजार्वान रहना चाहता है परंतु योगाभ्यास नहीं करने के कारण शारीरिक एवं मानसिक व्याधि का शिकार हो जाता है। व्यक्ति जितना ज्यादा व्यस्त है। उसे योगाभ्यास की उतनी ही ज्यादा आवश्यकता है अन्यथा वह तनावरहित एवं रोग रहित जीवन नहीं जी पाएगा। सभी माननीय न्यायिक पदाधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने पूरे मनोयोग से योगाभ्यास किया।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा, एडीजे प्रथम स्वयंभू, एडीजे टू नीरजा आश्रि, कुटुम्भ न्यायालय जज प्रेमलता त्रिपाठी, सीजेएम कृष्णकांत मिश्रा, एसडीजेएम अमित कुमार, जेम प्रथम रोहित कुमार, जेम प्रथम जया स्मिता कुजूर, डीएलएसए सचिव मनोरंजन वर्मा समेत सभी न्यायालय कर्मी उपस्थित थे। पीडीजे राजकमल मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि सभी करो योग रहो निरोग का पालन करें।

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस साहू धर्मशाला में भव्यता के साथ मनाया गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार, 21 जून को साहू धर्मशाला में वैदिक विश्व मंगल ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योग और प्राणायाम का अभ्यास किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं लोहरदगा के सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. टी. साहू, कार्यक्रम अध्यक्ष दीपक कर्मकार, शीतल जी, डॉ. अशोक आचार्य, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सोनाली तथा योग प्रशिक्षिका संगीता साहू द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर किया गया।योग प्रशिक्षिका संगीता साहू ने योग प्रोटोकॉल के तहत वृक्षासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, शशांकासन एवं विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक लाभों की भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की झलक देखने को मिली, जहां महिलाओं ने सामूहिक रूप से संगीत की धुन पर उन्नत योगासन प्रस्तुत किए।बालिकाओं राशि और सुनिधि ने योग आधारित नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं अरुणा जी ने लाफ्टर योग कराकर वातावरण को आनंदमय बना दिया।फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ डॉ. सोनाली ने फ्रोजन शोल्डर विषय पर उपयोगी प्रस्तुति दी। उन्होंने इसके कारण, बचाव, उपचार और आवश्यक व्यायामों की जानकारी दी। इसके अलावा संगीता साहू ने हठयोग की महत्वपूर्ण क्रियाएं जल नेति एवं रबर नेति का प्रदर्शन भी किया।मुख्य अतिथि डॉ. टी. साहू ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे स्वयं भी नियमित रूप से योग और ध्यान करते हैं।कार्यक्रम की उत्कृष्ट व्यवस्था, अनुशासन और भव्यता से प्रभावित होकर डॉ. साहू ने सभी प्रतिभागियों के लिए फल प्रसाद वितरित कराया तथा संस्था द्वारा भविष्य में और बड़े योग एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु 5,100 रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की।कार्यक्रम अध्यक्ष दीपक कर्मकार ने लोगों से नियमित योग अपनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम की सफलता में वार्लंटियर रोहित साहू, संतोष खेरवार, विक्की गुप्ता, विकास साहू, दिलीप कुमार, राकेश साहू, सीमा जी एवं राजेश्वरी जी का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ सामूहिक योगाभ्यास

केरेडारी हजारीबाग: एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 बड़े उत्साह और कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व परियोजना प्रमुख (बादम) के. चंद्रशेखर ने किया। इस मौके पर एजीएम (माइनिंग) सीताराम माझी, एचओडी (एचआर) वाई. देवाशीष सहित विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। योग सत्र का संचालन अनुभवी योग प्रशिक्षक सुश्री मुस्कान राणा ने किया।उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, स्ट्रेचिंग अभ्यासों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ योग सत्र में भाग लिया।

परियोजना प्रमुख ने दिया संदेश: अपने संबोधन में परियोजना प्रमुख के. चंद्रशेखर ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कर्मचारियों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नियमित रूप से योग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

गुलाबलचंद प्रसाद अग्रवाल कॉलेज सड़मा छतरपुर पलामू में 12वीं योग दिवस मनाया गया

छतरपुर : गुलाबलचंद प्रसाद अग्रवाल कॉलेज सड़मा, छतरपुर पलामू में 12वीं योग दिवस मनाया गया। जिसमें कॉलेज के सचिव डॉक्टर अमित कुमार अग्रवाल, प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अखिलेश कुमार सिंह, डॉक्टर अमित कुमार सिंह, प्रो. मुन्नी देवी, प्रो राजकिशोर लाल, प्रो. सुनीता कुजूर, प्रो अशोक कुमार अग्रवाल, प्रो रोहित कुमार, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, डॉक्टर कुमारी प्रियंका शर्मा, प्रधान सहायक योगेंद्र विश्वकर्मा, सफल कुमार, सुनील पासवान, पंचम कुमार, अरविंद कुमार अग्रवाल, आलोक कुमार ठाकुर, कृष्णनंदन शर्मा, दीपक कुमार, शंकर राम, आनंद कुमार यादव, जितेंद्र कुमार, बबलू मिंज, प्रसाद ठाकुर, पानपती देवी आदि उपस्थित रहे।योग कृष्णनंदन शर्मा एवं योगेन्द्र विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से कराया तथा योग के लाभ एवं हानि को भी विस्तार से बताया। मौके पर सचिव ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योगाभ्यास करने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है।वहीं प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ही नहीं बल्कि नित्य प्रतिदिन योग अभ्यास करने से मन स्थिति एवं शारीरिक स्वास्थ्य में लाभ मिलता है, हम सभी को निरोग रहना है तो निश्चित तौर पर जीवन में योगाभ्यास करने का आदत डालनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेभर में योग सत्र का आयोजन, अधिकारियों, कर्मियों एवं विद्यार्थियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच की ओर एक प्रयास – योग के साथ

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कृषि उत्पादन बाजार समिति, पाकुड़ में भव्य योग सत्र का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, जिला आयुष पदाधिकारी डॉ विपिन चंद्र गुप्ता तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ श्री कुमार गौरव द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।योग प्रशिक्षक संजय कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों, कर्मियों एवं स्कूली बच्चों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया गया।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की संपूर्ण पद्धति : उपायुक्त

इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत एवं अमूल्य धरोहर है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दी है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली एक संपूर्ण जीवन पद्धति है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनाव, भागदौड़ और व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे समय में योग मानसिक शांति,आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनता है, बल्कि एकाग्रता, कार्यक्षमता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का भी विकास होता है। उपायुक्त ने कहा कि इस वर्ष की थीम ह्लस्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योगह्व स्वस्थ, सक्रिय एवं जागरूक जीवनशैली को अपनाने का प्रेरक संदेश देती है। योग को किसी एक दिवस या विशेष अवसर तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए समर्पित कर हम स्वयं को अनेक बीमारियों से सुरक्षित रख सकते हैं तथा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से अधिक सशक्त बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाता है, स्वस्थ व्यक्ति परिवार को सशक्त बनाता है और स्वस्थ परिवार एक समृद्ध एवं विकसित समाज की नींव रखता है। योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आत्मअनुशासन और राष्ट्र निर्माण का भी महत्वपूर्ण आधार है। उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से योग करें, अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति जागरूक करें तथा स्वस्थ, नशामुक्त और सकारात्मक समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि योग को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर हम एक स्वस्थ, जागरूक, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं स्कूली बच्चों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक दंडाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेल तासरा डिवीजन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास ,अधिकारियों- कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

सिंदरी/चासनाला/ धनबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 12 वें वर्ष के अवसर पर सेल तासरा डिवीजन द्वारा रविवार को क्लब के सम्मेलन कक्ष में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक शिवराम बनर्जी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद उपस्थित अधिकारियों ने भी दीप प्रज्वलन कर योग दिवस के महत्व को रेखांकित किया। योगाचार्य अरविंद जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योगाचार्य ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक शिवराम बनर्जी ने योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए सभी को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग ना केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक कार्मिक उदय कुलकर्णी, महाप्रबंधक अजय चौधरी, केपी महतो, के एम तिवारी, पी एन पी बारिक, वरुण कुमार, राहुल सिंह,अखिलेश कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने जिला स्टेडियम का किया निरीक्षण, खेल सुविधाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने को लेकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने रविवार को बैंक कॉलोनी स्थित जिला स्टेडियम का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खेल मैदान की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए ग्राउंड को और अधिक विकसित, सुव्यवस्थित एवं खिलाड़ियों के अनुकूल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) मद से संचालित जीर्णोद्धार एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सभी खेल सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप हों तथा खेल अवसंरचना के विकास में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उपायुक्त ने सीएसआर मद के तहत बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे निःशुल्क खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की उपलब्धता एवं खिलाड़ियों की सहभागिता की समीक्षा करते हुए प्रशिक्षण को नियमित, प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए। साथ ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कोचों को प्रतिदिन नियमित प्रशिक्षण सत्र संचालित करने तथा खेल गतिविधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर, संसाधन एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले एवं राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर भी गौरवान्वित कर सकें।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्टेडियम परिसर की साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने नगर परिषद को परिसर में उगी झाड़ियों की कटाई, नियमित साफ-सफाई तथा समुचित रख-रखाव सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित खेल परिसर खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुशासन एवं उत्साहवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने स्टेडियम परिसर स्थित विभाग द्वारा स्वीकृत आवासीय प्रशिक्षण केंद्र (बालक फुटबॉल) के अंतर्गत 25 प्रशिक्षु खिलाड़ियों हेतु तैयार किए जा रहे छात्रावास (हॉस्टल) की व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से हॉस्टल संचालन की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए इसे शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि खिलाड़ियों को आवास, प्रशिक्षण, पोषण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। खेल के क्षेत्र में जिले की उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बेहतर सुविधाओं एवं नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से जिले के खिलाड़ी भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।मौके पर उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

एक साल पूर्ण होते ही एसआरटी कॉलेज के प्रिंसिपल शंभू ने पीसी कर दिखाई विकास

गोड्डा:जिले के मेहरमा प्रखंड क्षेत्र के एसआरटी कॉलेज धमड़ी के प्रिंसिपल डॉ.शंभू कुमार सिंह का 20 जून को प्रिंसिपल पद एक वर्ष पूर्ण हो गए जिसके बाद प्रिंसिपल ने अपने खुशी से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का कार्यक्रम रखा।इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान महाविद्यालय में हुए विभिन्न विकासात्मक एवं शैक्षणिक कार्यों की जानकारी दिया।प्रिंसिपल डॉ.शंभू सिंह ने बताया कि उनके कार्यकाल में महाविद्यालय के नए प्रशासनिक भवन का शिलान्यास हुआ साथ ही विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता का भव्य आयोजन कराया गया। महाविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार तथा लैंगिक समानता पर राष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन भी किया गया और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कराया गया। इसके अलावा प्राचार्य कक्ष, छात्र शेड, साईकिल एवं बाईक स्टैंड का निर्माण कराया जा रहा है।भारत सरकार के एमएसएमई प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई।प्रेस वार्ता में महाविद्यालय के शिक्षिका एलिजाबेथ व शिक्षिका डॉ. गोविन्द कुमार भगत व जय शंकर तिवारी व धीरेंद्र कुमार एवं डॉ. आतिफ सहित रीमा व निशा व बबलू कुजूर व हेमंत कुमार एवं अन्य महाविद्यालय के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

भुरकुंडा में विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया योग, कहा - योग से बनेगा स्वस्थ भारत

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

केरेडारी/ हजारीबागः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज पतरातु प्रखंड अंतर्गत महात्मा गांधी उच्च विद्यालय, देवरिया भुरकुंडा में योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी मुख्य रूप से शामिल हुए। विधायक ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ योगाभ्यास किया और सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

विधायक ने कहाः योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन एवं सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दे रही है। नियमित योग अभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत तथा जीवन ऊर्जावान बनता है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का माध्यम है, जो हमें अनुशासित एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध भारत के निर्माण हेतु योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में सामूहिक योगाभ्यास ,स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

सिंदरी /धनबाद। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सिंदरी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि पतंजलि एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अदानी सीमेंट ,एसीसी सिंदरी के प्लांट मैनेजर पुष्पराज गौतम एवं विशिष्ट अतिथियों में एसीसी सिंदरी के सीएसआर हेड- प्रदीप पांडेय , एच यू आर एल सिक्योरिटी इंचार्ज - होशियार सिंह ,पतंजलि योग समिति के उमाशंकर सिंह, मनोज मिश्रा, विजय सिंह, प्रकाश बाउरी ,विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार पाठक तथा कार्यक्रम प्रमुख सतीश कुमार शामिल थे। योग प्रशिक्षण के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो शारीरिक ,मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने दैनिक जीवन में योग को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से तनावमुक्त एवं स्वस्थ जीवन संभव है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एसआरटी कॉलेज में योग दिवस

गोड्डा:जिले के मेहरमा प्रखंड के एसआरटी कॉलेज धमडी में रविवार की अहले सुबह योग दिवस को देखते हुए कुछ छात्रों के साथ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉङ्क शंभू सिंह व महेश्वर राम इंदवार व जयशकंर तिवारी ने योग दिवस पर योग करते हुए योग के फायदे को छात्रों के बीच जानकारी साझा किया।साथ ही छात्रों ने भी योग दिवस पर योग किया।इधर योग दिवस पर छात्र सन्नी कुमार व मुकेश कुमार व अन्य छात्रों ने योग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर तक योग कार्यक्रमों का आयोजन

गोड्डा:जिले में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्थानीय नगर भवन गोड्डा में स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी लोकेश मिश्रा व एसपी मुकेश कुमार व डीडीसी विस्पुते श्रीकांत यशवंत व नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुशील रमानी व अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव व सिविल सर्जन सुभाष चंद्र शर्मा व जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंतखाब अहमद फारूकी तथा अन्य गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया।जिला आयुष समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला व प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर व्यापक रूप से योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों व विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों व स्कूली छात्र-छात्राओं तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।योग दिवस के अवसर पर जिले भर में स्वास्थ्य जागरूकता एवं योग के महत्व को लेकर विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया।नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में योग गुरु एवं डॉन बॉस्को स्कूल के निदेशक श्री अमित राय ने उपस्थित लोगों को योग के महत्व एवं उसके वैज्ञानिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भद्रासन, भुजंगासन सहित विभिन्न योगासनों एवं प्राणायामों का अभ्यास कराया तथा इनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया। योगाभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लिया और योग के प्रति गहरी रुचि प्रदर्शित की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी लोकेश मिश्रा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो शरीर व मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए योग अत्यंत आवश्यक है।नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है।बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।उपायुक्त ने कहा कि योग एक ऐसा साधन है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। यदि हम सभी अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करें तो अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से नियमित योग करने एवं योग को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग योग से जुड़कर इसके लाभ प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कला एवं संस्कृति संयोजक सुरजीत झा द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंतखाब अहमद फारूकी ने किया।मौके पर जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंतखाब अहमद फारूकी व जिला संयुक्त औषधालय व गोड्डा के कर्मी मो. सोहैल अहमद व मिजान अनवर व नीरज कुमार दास व सुधांशु कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व कर्मी व शिक्षक व स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन ने अनुमंडल के इंटर व मैट्रिक के टॉपरों को सम्मानित किया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हुसैनाबाद पलामू: आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को खादी ग्रामोद्योग के निकट उदयनाथ विश्वकर्मा कम्प्लेक्स परिसर में अनुमंडल स्तरीय प्रतिभा समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अंगद किशोर ने की. संचालन कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार ने किया. कार्यक्रम की शुरूआत स्वास्थ्य उपाधीक्षक सही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस.के. रवि, एसबीआइ के सेवानिवृत्त डीजीएम संजय कुमार गुप्ता आदि ने सरस्वती माता व आचार्य सिद्धेश्वर पाठक की तसवीर के समक्ष दीप जलाकर किया. फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अंगद किशोर व सचिव व अधिवक्ता आलोक कुमार ने उनकी जीवन व फाउंडेशन द्वारा की जा रही कार्यों की विस्तृत जानकारी दी. फाउंडेशन द्वारा ब्लॉक रोड स्थित पंच मंदिर सरोवर पार्क के उत्थान के लिए मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष को 15 हजार रुपये का चेक दिया. इसके बाद अतिथियों द्वारा मैट्रिक व इंटर कॉलेज के टॉपरों को प्रशस्ति पत्र व शिक्षण किट बैग देकर सम्मानित किया गया.इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता को लेकर सभी प्रतिभागियों के बीच फलदार व छायादार पौधे वितरण किये गए.सभी प्रतिभागियों को उक्त पौधों को अपनी-अपनी माँ के नाम संवर्धित व संरक्षित करने की बात कही गई.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य उपाधीक्षक डॉ एसके रवि ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतरता अति आवश्यक है. आप सभी को लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहने की जरूरत है. कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे बच्चों का हौसला अफजाई हुआ है. इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ती है. जो सफलता का मूलमंत्र है. बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व डी. जी. एम. संजय कुमार गुप्ता ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि देश का भविष्य तभी बेहतर होगा,जब आपका वर्तमान संघर्षशील होगा.

जिन बच्चों को सम्मानित किया गया साक्षी कुमारी, कुसुम कुमारी,अंशु कुमारी मरियम आलिया, नासरीन परवीन, सुगंधा कुमारी, सुरभि कुमारी, विवेक कुमार, अनुराधा कुमारी, प्रेम गिरी, प्रिंस कुमार, सौरभ कुमार, अंजली कुमारी, अनुज कुमार,रेशम कुमारी, प्रिया कुमारी, मुस्कान सिंह, दृष्टि सिंह,अलीशा फातमा, सब्बे नूर, आकिब खान, विवेक कुमार, आयुष कुमार विश्वकर्मा, अनन्या प्रिया, काजल कुमारी, प्रीति कुमारी, अंकुश कुमार, प्रिंस कुमार पाल, प्रेम प्रकाश गौतम,आर्य सिंह आदि का नाम शामिल हैं. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राजेन्द्र सिंह, डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, अरुण कुमार चौधरी, उदयनाथ विश्वकर्मा, धीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ निरंजन प्रसाद, बबलू कुमार, रविन्द्र कुमार सिंह, हर्ष अंशुमान, चंदन कुमार, प्रिया सिंह आदि मौजूद थे.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बलियापुर थाना में योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर/ धनबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बलियापुर थाना परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम ₹स्वस्थ आयु के लिए योग₹ के तहत थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों एवं थाना के अन्य कर्मियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में थाना के ए एस आई बलिराम कुमार ने योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों ने उत्साह पूर्वक योग कर कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मानसिक शांति ,आत्मिक संतुलन और स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से तनाव कम होता है, कार्य क्षमता बढ़ती है तथा व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। योग दिवस के आयोजन से थाना परिसर में स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों का संदेशः करें योग,रहे निरोग प्रखंड इलाके में योग गुरु द्वारा छत्तरपुर वासियों के साथ किया योगाभ्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

छत्तरपुरःपलामू/ 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर प्रखंड इलाके में योग गुरु द्वारा योग साधकों ने रामगढ़ कउवल पंचायत भवन के सामने बालविद्या स्कूल के पास छतरपुर,कृषि अनुसंधान केंद्र रामगढ़ छत्तरपुर, पल्स टू उच्च विद्यालय के मैदान छत्तरपुर,गुलाबचंद अग्रवाल कॉलेज सड़मा छत्तरपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंधुडीह,

सहित अन्य शिविर का जनसेवा कार्यालय में छत्तरपुरवासियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। विभिन्न योग शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकताओं ने सहभागिता कर योग के महत्व को आत्मसात किया। इस अवसर पर योग गुरु महेश प्रसाद यादव,भोला यादव,मंटू जी,कृष्णनंदन शर्मा, योगेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो हमारे शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक जीवन में संतुलन स्थापित कर स्वस्थ, सुखी और श्रेष्ठ जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति को तनावमुक्त, ऊर्जावान एवं सकारात्मक बनाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 21 जून 2015 देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायी पहल और सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आज योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान और प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। वर्तमान में विश्व के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। योग गुरु महेश प्रसाद यादव ने सभी नागरिकों से प्रतिदिन योग करने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर हम सभी स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

योग शिक्षक महेश प्रसाद यादव ने ताड़ासन, अनुलोम-विलोम ,मर्कटासन , बाह्य प्राणायाम,कपालभारती, भुजंगासन , आदि व्यायाम कराकर बच्चों और शिक्षकों को योगा भ्यास करवाया !

योग शिविर में

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि HDFC ब्रांच छत्तरपुर के मैनेजर सुरेंद्र यादव सह ओमेगा स्टडी के डायरेक्टर अवधेश कुमार यादव ,विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवधेश यादव शामिल रहे। संबोधन में मैनेजर सुरेंद्र यादव ने कहा कि योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है योग बहुत ही लाभकारी है। मौके पर शिक्षक कृष्णा सिंह,पप्पू कुमार गुप्ता, नारायण यादव,मोहम्मद वसीर साह, हिमांशु ठाकुर, कौशल यादव ,पवन ठाकुर, कार्तिक, सत्यम,अमित कुमार और सैकड़ों बच्चें सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अंत में ॐ शांति पाठ कराकर समापन किया गया !

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्लचित्तवृत्ति निरोधह्व कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग

का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्लचित्तवृत्ति निरोधह्व कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही ह्लविश्वगुरु भारतह्व की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से कारोबार में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। बड़े कार्यों में सफलता हासिल होगी। कुछ पुराने मित्रों से संपर्क बन सकते हैं। आय के स्रोत विकसित होंगे। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम बरतें। धार्मिक कार्यों में खर्च होने की संभावना है। नए कार्य का शुभारंभ कर सकते हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। सरकारी क्षेत्र में लाभ मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच पुराना तनाव खत्म होगा और रिश्ते मजबूत बनेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी तथा कारोबार के क्षेत्र में धनलाभ के योग हैं। परिवारजनों के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। शारीरिक, मानसिक स्वस्थ और उत्साही बने रहेंगे। अपनी वाणी पर संयम बरतें। नए कार्यों को शुरू करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष की ओर से मन खुश रहेगा।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। नए कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है। धन संबंधित लेन-देन में सतर्क बरतें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। धार्मिक कार्य तथा किसी यात्रा पर जा सकते हैं। दफ्तर में कार्यभार के कारण थकान महसूस हो सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से व्याकुलता का अनुभव रहेगा। परिवार के साथ समय गुजारेंगे और खूब मजा करेंगे।

कर्क राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। मन अशांत और शरीर थोड़ा थकान से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़? की संभावना रहेगी। वाहन के रख-रखाव में खर्च बढ़ेंगे। अपनी भावनाओं को वश में रखें। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम बरतें। क्रोध से काम बिगड़ सकते हैं। धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता करेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन अच्छा बीतेगा। आकस्मिक धनलाभ होने की भी संभावना है। दोस्तों से लाभ हो सकता है। नौकरी-पेशे वाले लोगों को लाभ होगा। सहकर्मियों से लाभ मिलेगा। अपने कार्यों से आपको यश की प्राप्ति होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान पर विशेष ध्यान दें। घर में परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। सोच समझ कर लिए गए फैसले आपको खुशी देंगे।

कन्या राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। पूरा दिन अद्भुत अनुभव व जोश से भरा रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। अधिकारी आप के कार्य से संतोष का अनुभव करेंगे। मित्रों और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बीतेगा। नए वाहन का सुख मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से लाभ रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। प्रियजनों के साथ कहीं बाहर घूमने जा सकते हैं।

तुला राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ के योग रहेंगे, लेकिन परिश्रम की भी अधिकता रहेगी। नौकरी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। परिवार में कलह होने की संभावना है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य परेशान कर सकता है। अधिक धन खर्च हो सकता है। सामाजिक समारोह में भाग लें और नए दोस्त बनाने में समय व्यतीत करें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ मिल सकता है। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आनंदायक रहेगी। छात्रों के लिए अच्छा समय है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। आपके द्वारा परोपकार का कार्य हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होने की संभावना है। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। संतान पक्ष की ओर से शुभ समाचार मिलेगा। मेहनत से किये गये काम सफल होंगे और आपकी अलग पहचान बनेगी।

धनु राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, खर्चों की अधिकता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक स्वास्थ्य बना रहेगा। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें। अनावश्यक खर्च और परिवार में वाद-विवाद से बचें। नकारात्मक मानसिकता आपको नुकसान पहुंचा सकती है। सामाजिक कार्यों में अपने को व्यस्त रखें।

मकर राशि :- आज का दिन लाभदायक रहेगा। निवेश करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक व मानसिक रूप से उत्तम रहेगा। परिजन व पड़ोसियों से बहस करने से बचें, क्योंकि कोई छोटी सी बहस भी बड़े झगड़े में परिवर्तित हो सकती है। खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना है। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। अपनी नई सोच की वजह से कार्य में नयापन ला सकेंगे।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। अधिक परिश्रम करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च भी अधिक बढ़ेगा। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद करने से बचें। संतान या रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। खान-पान का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने से बचें।

मीन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। खुद पर संयम रखें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। दोस्तों से मुलाकात होगी और उनके सहयोग से लाभ प्राप्त होगा। धन और यश की हानि होने की संभावना है। शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थ्य का ध्यान रखें। किसी रिश्तेदार के घर मांगलिक प्रसंग में जा सकते हैं। दांपत्य जीवन का सुख और आनंद मिलेगा।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट राष्ट्रहित में है, इसका विरोध करना चीन का खुलकर समर्थन करने जैसा है

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर छिड़ी बहस के बीच, इसे हिंद महासागर में चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का मुकाबला करने और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मलक्का जलडमरूमध्य पर भारत की यह सामरिक बढ़त देश के आर्थिक और रणनीतिक भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित विकास परियोजना को लेकर देश में तीखी बहस छिड़ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस परियोजना को देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और घोटाला बताया है। उन्होंने अपने दौरे के बाद कहा कि यहां के घने जंगल, जो सदियों में विकसित हुए हैं, अब बड़े पैमाने पर काटे जाने के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 160 वर्ग किलोमीटर वर्षावन क्षेत्र को समाप्त किया जाएगा और लाखों पेड़ों की कटाई होगी, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदायों का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया और कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। उनका आरोप है कि स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना उनकी जमीन और संसाधनों को छीना जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस की ओर से पहले भी इस परियोजना को लेकर चिंता जताई गई थी, जिसमें इसे शोंपेन जनजाति और द्वीप के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा बताया गया। सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए समाचार-पत्रों में एक विस्तृत लेख लिखा था।

दूसरी ओर, इस परियोजना को देश की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीति आयोग द्वारा तैयार और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत इस योजना की लागत लगभग 81000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसमें चार प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनमें एक विशाल ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, ऊर्जा संयंत्र और सैन्य ढांचे का विस्तार शामिल है। हम आपको बता दें कि ग्रेट निकोबार की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात और उसका बड़ा व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति उसे सामरिक बढ़त दिला सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गैलेथिया खाड़ी में बनने वाला बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार में नई पहचान दिला सकता है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में भारत का लगभग 25 प्रतिशत माल विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से स्थानांतरित होता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। इस परियोजना के पूरा होने पर भारत इस निर्भरता को समाप्त कर सकता है और अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत कर सकता है। चीन की रणनीति को देखते हुए यह परियोजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती

है। पिछले दो दशकों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में कई बंदरगाह विकसित किए हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स कहा जाता है। इनमें पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हम्बनटोटा और म्यांमार का क्याउकफ्यू शामिल हैं। इनका उद्देश्य समुद्री मार्गों पर प्रभाव बढ़ाना और भारत को घेरना है।

इसके जवाब में भारत ने भी अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर समुद्री रणनीति विकसित की है, जिसे नेकलेस ऑफ डायमंड्स कहा जाता है। इसमें ओमान, इंडोनेशिया और सेशेल्स जैसे देशों में बंदरगाहों तक पहुंच और सैन्य सहयोग शामिल है। ग्रेट निकोबार इस रणनीति का केंद्र बिंदु माना जा रहा है। इसके अलावा, हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भी इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के उपयोग से वैश्विक तेल आपूर्ति पर प्रभाव डालने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री मार्गों पर नियंत्रण किसी भी देश के लिए कितना शक्तिशाली साधन हो सकता है। इस स्थिति में यदि भारत मलक्का जलडमरूमध्य के पास अपनी स्थिति मजबूत करता है, तो यह उसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बना सकता है।

मोदी सरकार का कहना है कि परियोजना को पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा मानकों के तहत स्वीकृति दी गई है। शोंपेन जनजाति की सुरक्षा के लिए विशेष नीतियां, निगरानी तंत्र और अन्य उपाय लागू किए गए हैं। सरकार के अनुसार परियोजना द्वीप के कुल क्षेत्रफल के सीमित हिस्से पर ही आधारित है और विकास तथा संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि इस परियोजना का विरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। कुछ विदेशी संगठनों ने इसे जनजातीय अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। लेकिन इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को देखते हुए यह साफ नजर आ रहा है कि चीन के समर्थक कभी नहीं चाहेंगे कि भारत की यह परियोजना साकार रूप ले सके। उधर, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है और इस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। पूर्व वायुसेना प्रमुख आर.के.एस. भदौरिया ने विभिन्न साक्षात्कारों और समाचारपत्रों में अपने आलेखों के जरिये इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला है।

सख्त निगरानी का समय

बीस यू-ट्यूब चैनलों और दो वेबसाइटों को भारत-विरोधी दुष्प्रचार का दोषी मानते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा ब्लॉक किए जाने और यू-ट्यूब प्रबंधन को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश बताता है कि वर्चुअल दुनिया की गतिविधियां अब कितनी गंभीर हो चली हैं और इन गतिविधियों ने कितने व्यापक रूप से समाज को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। आंकड़े तस्दीक करते हैं कि इन चैनलों ने कितनी बड़ी पहुंच बना ली थी। इन तमाम चैनलों के ह्यसब्सक्राइबर्सह्न की संख्या 35 लाख से ऊपर पहुंच गई थी और उनके ह्यवीडियोजह्न को 55 करोड़ से भी अधिक बार देखा जा चुका था। जाहिर है, इनके विष वमन को बंद करना बहुत जरूरी था। कायदे से यह कार्रवाई उसी समय हो जानी चाहिए थी, जब इन चैनलों के खिलाफ नियामक संस्था में पहली शिकायतें आई थीं। चूंकि साइबर दुनिया की प्रकृति ही ऐसी है कि यहां मिनटों में असंख्य लोगों तक पहुंच बन जाती है, ऐसे में इसकी निगरानी करने वाले तंत्र को भी उतनी ही तत्परता बरतनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब भारत के खिलाफ इस तरह के हथकंडे अपनाए गए हैं, और इनके पीछे किन-किन देशों का हाथ है, यह भी कोई ढकी-छिपी बात नहीं है, खासकर जम्मू-कश्मीर में लोगों को भड़काने के लिए पाकिस्तानी मीडिया के एक धड़े और देश प्रायोजित स्वतंत्र संस्थाएं दशकों से यह काम करती रही हैं। समय-समय पर भारत सरकार ने घाटी में उनके प्रसारण को रोकने के कदम भी उठाए हैं, लेकिन यह दुष्प्रवृत्ति अब हमारे भूगोल के किसी एक हिस्से तक सीमित नहीं है, उनके निशाने पर हमारा पूरा सामाजिक ताना-बाना और भारत राष्ट्र की शांति-व्यवस्था है। इसलिए कभी ये अल्पसंख्यक समुदायों को लक्षित करके, तो कभी भारतीय सेना के बारे में फर्जी तस्वीरों, वीडियो फुटेज व सामग्रियां प्रसारित करते रहे हैं, ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके। निस्संदेह, सच्चाई को निरूपित करने वाली सूचनाएं भी सोशल मीडिया में उतनी ही तेजी से सामने आती हैं, मगर जरूरी नहीं कि दुष्प्रचार की गिरफ्त में आ चुके सभी लोगों तक वे पहुंच ही जाएं या वे मानसिक-बौद्धिक रूप से इतने परिपक्व हों कि सच-झूठ में फर्क कर सकें! ऐसे में, मुफीद रास्ता यही है कि इन जहरीले स्रोतों पर ही वार किया जाए।

दुनिया काफी समय से दहशतगर्दों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल से वाकिफ है। चुनौती अब यह है कि इंटरनेट के विस्तार ने इसे गंभीर रूप देना शुरू कर दिया है। साइबर दुनिया बेहद अराजक है और संसार भर की सरकारें इससे परेशान हैं। सोशल मीडिया कंपनियों के आर्थिक स्वार्थ ने भी राष्ट्र-समाज विरोधी तत्वों का काम आसान किया है। ऐसे में, सरकार को न सिर्फ निगरानी तंत्र को चाक-चौबंद करने, बल्कि बेहद पेशेवर तरीके से इस काम को अंजाम देने की जरूरत है। इन मंचों ने अभिव्यक्ति की आजादी को काफी मजबूत आधार दिया है। इसलिए निगरानी करते हुए नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी ख्याल रखना होगा। यही नहीं, देश के भीतर से भी सांप्रदायिक-जातीय वैमनस्य पैदा कर रहे लोगों-संगठनों के खिलाफ कदम उठाए जाने चाहिए। समय आ गया है कि साइबर सेल को शक्तिशाली बनाया जाए। इससे संबंधित कानून इतने सख्त हों कि इन माध्यमों का सांगठनिक रूप से या निजी तौर पर भी दुरुपयोग करने की हिमाकत कोई न करे।

चुनाव सुधार बिल पास कराने को लेकर ऐसी हड़बड़ी क्यों दिखा रही सरकार?

आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी देखा जा रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी।

विपक्ष के विरोध और उसकी ओर से व्यक्त की जा रही आशंकाओं के बीच जिस हड़बड़ी में चुनाव सुधार (संशोधन) विधेयक 2021 संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया, वह अच्छी मिसाल नहीं पेश करता। आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी देखा जा रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी। यह बात बार-बार स्पष्ट होती रही है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल पते के सबूत के रूप तो किया जा सकता है, लेकिन इसे किसी की नागरिकता का प्रमाण नहीं करार दिया जा सकता। हालांकि मौजूदा विधेयक में आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की व्यवस्था को ऐच्छिक रखा गया है और इसी आधार पर सरकार इसके विरोध को अनावश्यक बता रही है, लेकिन इससे उस हड़बड़ी का औचित्य नहीं साबित होता जो बिल पास करने में दिखाई गई है। राज्यसभा में इसे विपक्ष के वॉकआउट के बाद पारित किया गया। लोकसभा में भी इस पर ठीक से बहस नहीं हो सकी। विपक्षी सांसदों को संशोधन सुझाने का मौका नहीं मिला। कई नेता कहते पाए गए कि विपक्ष के 12 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने का संभवतः यही उद्देश्य था कि राज्यसभा से यह बिल विपक्ष के विरोध के बावजूद आसानी से पारित करा लिया जाए। चुनाव सुधार की एक महत्वपूर्ण पहल को लेकर विपक्ष में इस तरह का अविश्वास बनने देना संसदीय लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

दिलचस्प यह भी है कि कानून मंत्री ने विधेयक का समर्थन करते हुए विपक्षी सदस्यों की यह कहकर आलोचना की कि वे इस विधेयक को समझ ही नहीं पाए हैं। अगर इस आलोचना को सच मान लिया जाए, तब भी क्या सरकार के लिए यह जरूरी नहीं था कि ऐसे तमाम सदस्यों को विधेयक समझने का पूरा मौका देती, उनके साथ विस्तृत बातचीत और बहस चलाकर उन्हें पूरी जानकारी मुहैया कराती, उनकी आशंकाएं दूर करती? ऐसी ही हड़बड़ी में बनाए गए कृषि कानूनों ने सरकार को कितनी असुविधाजनक स्थिति में डाला और कैसे कृषि सुधार के अजेंडे को पीछे की ओर धकेल दिया, यह सब देख चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री ने तीनों कानून वापस लेते हुए इस बात पर अफसोस जताया कि सरकार किसानों को समझा नहीं पाई। ऐसे में यह और ज्यादा जरूरी था कि चुनाव सुधार जैसे महत्वपूर्ण कदम पर सरकार सावधानी बरतती। संसदीय लोकतंत्र में असहमति के लिए तो हमेशा गुंजाइश रहती है, इसे हर कीमत पर बनाए भी रखना चाहिए, लेकिन संदेहों और आशंकाओं को पलने देना ठीक नहीं होता।

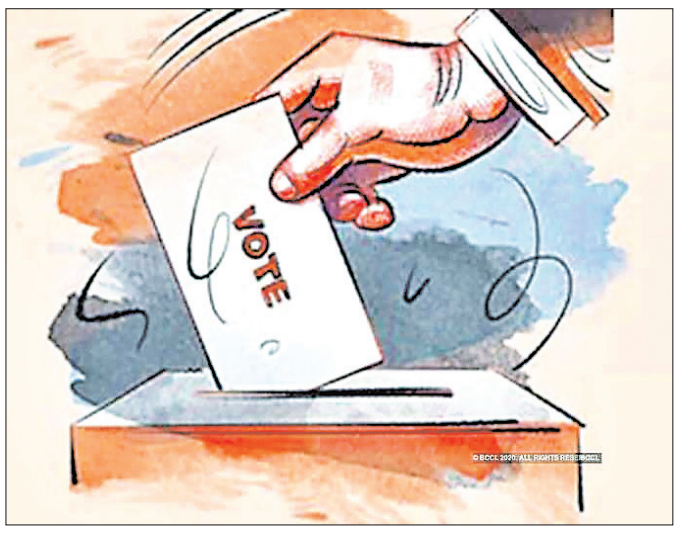

बिहार की तीन पारंपरिक कलाओं को मिला जीआई टैग, दुनिया में बढ़ेगा बावन बूटी, पत्थरकट्टी और पीढ़िया पेंटिंग का मान

एजेंसी

पटना: बिहार की समृद्ध कला और हस्तशिल्प परंपरा को एक बड़ी पहचान मिली है. राज्य के तीन पारंपरिक उत्पादों को भारत सरकार की ओर से भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया है. इससे बिहार की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी.जीआई टैग पाने वाले उत्पादों में नालंदा की प्रसिद्ध बावन बूटी साड़ी-फैब्रिक, गया का पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ्ट और भोजपुर की पारंपरिक पीढ़िया पेंटिंग शामिल हैं. इन कलाओं की अपनी अलग पहचान है और ये वर्षों से बिहार की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा रही हैं.

नाबार्ड और बिहार सरकार के प्रयास रंग लाए

इस उपलब्धि के पीछे नाबार्ड और बिहार सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. दोनों संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से इन पारंपरिक उत्पादों का दस्तावेजीकरण और पंजीकरण कार्य पूरा किया गया.जीआई टैग मिलने के बाद इन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष पहचान और कानूनी संरक्षण मिलेगा.

पद्मश्री डॉ. रजनीकांत का रहा अहम योगदान

नाबार्ड के अनुसार, जीआई पंजीकरण की प्रक्रिया को सफल बनाने में वाराणसी के ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव और पद्मश्री डॉ. रजनीकांत का विशेष योगदान रहा. उन्होंने तकनीकी मार्गदर्शन दिया और आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इसी वजह से बिहार के इन तीनों उत्पादों को ऋक्ष सूची में शामिल किया जा सका.

स्थानीय कलाकारों और बुनकरों को होगा फायदा

जीआई टैग मिलने से सबसे बड़ा लाभ स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और कलाकारों को होगा. अब उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में अलग पहचान मिलेगी. इससे उनकी आय बढ़ने की संभावना है और पारंपरिक कला से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे.

नकली उत्पादों पर लगेगी रोक

जीआई टैग का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अब इन उत्पादों के नाम पर नकली सामान बेचना आसान नहीं होगा. नालंदा की बावन बूटी, गया की पत्थरकट्टी कला और भोजपुर की पीढ़िया पेंटिंग की प्रामाणिकता सुरक्षित रहेगी. इससे असली उत्पादों की मांग बढ़ेगी और कारीगरों को उचित मूल्य मिलेगा.

पर्यटन और हस्तशिल्प उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

विशेषज्ञों का मानना है कि इस उपलब्धि से बिहार के पर्यटन और हस्तशिल्प उद्योग को नई गति मिलेगी. साथ ही युवाओं का रुझान भी पारंपरिक कला और शिल्प की ओर बढ़ेगा. इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और बिहार की सांस्कृतिक पहचान और मजबूत होगी.

बेतिया में 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

बेतिया: बिहार के बेतिया में 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आयी है. नगर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी से ग्यारह जून की शाम एक नौ वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया गया था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन के निर्देश पर सदर एसडीपीओ-1 अजीत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया.

पुलिस की त्वरित कार्रवाई: पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कालीबाग थाना क्षेत्र के क्रिश्चियन क्वार्टर स्थित एक घर में छापेमारी की. पुलिस ने वहां से अपहृत बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया. इस अभियान के दौरान मुख्य आरोपी जॉनी जॉर्ज को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया.

आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य संकलन: सदर एसडीपीओ अजीत कुमार ने बताया कि बच्ची को बहला-फुसलाकर ले जाया गया था. पूछताछ और प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने घटना से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं. आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है.

वैज्ञानिक साक्ष्यों की बरामदगी: पुलिस ने आरोपी के पास से उसका मोबाइल फोन और अन्य भौतिक साक्ष्य जब्त किए हैं. घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल की टीम ने भी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं ताकि मामले में ठोस कानूनी पैरवी की जा सके.

मेडिकल जांच के बाद आरोपी को भेजा गया जेल: पुलिस ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत पीड़िता और आरोपी दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया. नगर थाने में इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी. सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी जॉनी जॉर्ज को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है.

घर लौट रहे हैं बिहार के दो शहीद बेटे, अंतिम दर्शन को बिहटा एयरपोर्ट पर उमड़ा जनसैलाब, असम विमान हादसे में गई थी जान

एजेंसी

पटना: असम के जोरहाट एयरबेस पर हुए एएन-32 विमान हादसे में बिहार के दो वीर सपूत शहीद हो गए हैं. जिनका पार्थिव शरीर रविवार को विशेष वायुसेना विमान से बिहटा एयरफोर्स स्टेशन पहुंचने वाला है. शहीद अग्निवीर दानिश आलम और फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए बिहटा से लेकर उनके पैतृक गांवों तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है.

जोरहाट में हुआ सैन्य सम्मान समारोह

भारतीय वायुसेना की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, जोरहाट एयरबेस पर शहीदों को सैन्य सम्मान के साथ पुष्पचक्र अर्पित किया गया. इसके बाद शहीदों के पार्थिव शरीर को उनके गृह राज्यों के लिए रवाना किया गया.रविवार को फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार और अग्निवीर दानिश आलम का पार्थिव शरीर बिहटा एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेगा, जहां उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी जाएगी.

कौन थे अग्निवीर दानिश आलम?

भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड स्थित कमरियांव गांव निवासी दानिश आलम वर्ष 2025 में भारतीय वायुसेना में अग्निवीर के रूप में शामिल हुए थे. कम समय में ही उन्होंने अपनी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और देशसेवा के जज्बे से अलग पहचान बनाई थी. उनकी शहादत की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई.

फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार पर पूरे बिहार को गर्व

जहानाबाद जिले के हुलासगंज प्रखंड के बनवरिया गांव निवासी फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार भारतीय वायुसेना के होनहार अधिकारी थे. उनकी शहादत की खबर से परिवार, गांव और पूरे जिले में मातम पसरा है. वहीं लोगों को उनके सर्वोच्च बलिदान पर गर्व भी है.

गांवों में सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

बिहटा एयरफोर्स स्टेशन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद अग्निवीर दानिश आलम का पार्थिव शरीर सड़क मार्ग से भोजपुर के कमरियांव गांव ले जाया जाएगा. वहीं फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार का पार्थिव शरीर जहानाबाद के बनवरिया गांव पहुंचेगा. रास्ते भर लोग पुष्पवर्षा और श्रद्धांजलि अर्पित कर अपने वीर सपूतों को अंतिम विदाई देंगे.बनवरिया गांव स्थित उच्च विद्यालय परिसर में शुभम कुमार को अंतिम सलामी दी जाएगी. वहीं कमरियांव गांव में दानिश आलम का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान और राजकीय गरिमा के साथ किया जाएगा.

तिरंगे के साथ अंतिम दर्शन का इंतजार

बिहटा एयरफोर्स स्टेशन, कोईलवर, जहानाबाद और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे हैं. युवा, बुजुर्ग और महिलाएं हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और अमर शहीद अमर रहें के नारे लगा रहे हैं. हर कोई अपने वीर सपूतों के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहा है.

बचपन के दोस्त ने सुनाई दानिश की कहानी

शहीद अग्निवीर दानिश आलम के बचपन के मित्र विश्वजीत तिवारी ने बताया कि दानिश शुरू से ही मिलनसार, अनुशासित और देशभक्ति की भावना से भरे हुए थे. उन्होंने कहा कि दानिश का सपना देश की सेवा करना था. वायुसेना में चयन होने के बाद वे बेहद खुश रहते थे और अपने भविष्य को लेकर उत्साहित थे.विश्वजीत ने कहा कि दानिश ने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है. उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन उनकी वीरता और देशभक्ति हमेशा युवाओं को प्रेरित करती रहेगी.

संक्षिप्त खबर

रौशन आनंद के भाई प्रिंस की नेपाल में कैसे हुई मौत? सामने आई मौत की पहली वजह

पटना: पटना के ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में मौत हो गई है. प्रिंस नेपाल के विराटनगर स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे. बताया जा रहा है कि शनिवार रात अत्यधिक शराब पीने से उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया. इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.जानकारी के अनुसार प्रिंस यादव अपने कुछ दोस्तों के साथ विराटनगर के वार्ड नंबर-9 स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे. प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, देर रात शराब पीने के बाद उनकी तबीयत खराब हुई. हालांकि मौत की असली वजह क्या है, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है. आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.घटना की सूचना मिलते ही नेपाल पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने होटल में मौजूद प्रिंस के दोस्तों से पूछताछ शुरू कर दी है. साथ ही होटल के रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी. परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग विवाद से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर में प्रिंस यादव का नाम भी शामिल था. इसके बाद वे अपने साथियों के साथ नेपाल चले गए थे और वहीं रह रहे थे. बताया जाता है कि वर्ष 2021 में भी खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में उनका नाम सामने आया था.खान ग्लोबल स्टडीज के मैनेजमेंट से जुड़े कन्हैया कुमार सिंह की ओर से दर्ज एफआईआर में प्रिंस यादव का नाम शामिल किया गया था. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 2 जून की रात ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के कहने पर प्रिंस यादव समेत कई लोग खान सर की कोचिंग पहुंचे थे. वहां गार्ड के साथ मारपीट की गई और कोचिंग परिसर में तोड़फोड़ की गई. एफआईआर में कोचिंग के बोर्ड, बैरिकेडिंग और खान सर की तस्वीर को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया था.इस मामले में ज्ञान बिंदु कोचिंग से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. रौशन आनंद फिलहाल जेल में हैं. उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होनी है. वहीं, खान सर के दो गार्ड भी जेल में बंद हैं. उनकी जमानत याचिका पहले ही खारिज की जा चुकी है. दूसरी ओर पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा रखी है.नेपाल पुलिस फिलहाल परिजनों के आने का इंतजार कर रही है. परिजनों की लिखित सहमति के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा. रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्रिंस यादव की मौत किन परिस्थितियों में हुई.

सीवान रेल एसपी ने जीआरपी थाना में तैनात सिपाही को किया निलंबित, इस मामले में हुई बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

सीवान : सीवान में रेल एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है. रेल एसपी ने जीआरपी थाना से कैदी फरार मामले में ड्यूटी पर तैनात सिपाही को निलंबित कर दिया है. जानकारी अनुसार जीआरपी थाना सीवान से शराब तस्कर के फरार होने के मामले में रेल पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है.

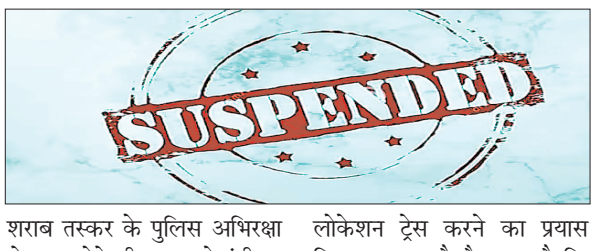

ड्यूटी में तैनात सिपाही निलंबित

रेल पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर वीणा कुमारी ने घटना के लिए प्रथम दृष्टया जिम्मेदार पाए गए सिपाही धर्मेंद्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.साथ ही पूरे मामले में विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है.

क्या है पूरा मामला

रेल एसपी ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर के पुलिस अभिरक्षा से फरार होने की घटना को गंभीरता से लिया गया है. मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय की जा रही है. उन्होंने कहा कि ड्यूटी में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी. उन्होंने बताया कि फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है.

फरार तस्कर की तलाश में पुलिस

पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है.आरोपित के घर समेत उसके संभावित ठिकानों पर नजर रखी जा रही है तथा तकनीकी माध्यमों से भी उसकी लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है.गौरतलब है कि मैरवा रेलवे स्टेशन से 5.25 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया.

शौचालय के बहाने फरार हुआ कैदी

तस्कर बुधवार 10 जून की सुबह करीब साढ़े सात बजे शौचालय जाने के दौरान सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर जीआरपी थाना से फरार हो गया था.घटना के बाद रेल पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे. अब सिपाही के निलंबन के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि विभाग इस मामले में किसी प्रकार की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है.

बिहार : परीक्षा देने जा रहे छात्रों ने ट्रेन में तोड़फोड़, पथराव किया, पुलिस ने तीन राउंड फायरिंग की

एजेंसी

बिहार: बिहार पुलिस मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा देने जा रहे हजारों अभ्यर्थियों ने आज रविवार को पाटलिपुत्र स्टेशन पर जमकर हंगामा किया. आक्रोशित छात्रों ने रेलवे ट्रैक को बाधित कर ट्रेनों के आवागमन को रोक दिया. गुस्साए छात्रों ट्रेनों पर पथराव भी किया, परीक्षा स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की.दरअसल छात्र ट्रेनों की कमी और देर से ट्रेन पहुंचने से नाराज हो गये थे. वे अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पाये और हिंसक हो गये. खबर है कि पथराव के कारण कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गये हैं. हालात को बेकाबू होते देख पुलिस ने तीन राउंड हवाई फायरिंग की है. मामला यह है कि मद्य निषेध विभाग की परीक्षा दो पालियों में होनी थी. इस कारण हजारों अभ्यर्थी रात में ही स्टेशन पर पहुंच गये कि वे जल्द ट्रेन पकड़ कर परीक्षा केंद्रों पर पहुंच जायेंगे. लेकिन अभ्यर्थियों ने देखा कि स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेनों की व्यवस्था नहीं है. ट्रेनें भी लेट चल रही है. इस कारण छात्रों में डर समाने लगा कि कहीं परीक्षा छूट न जाये.इसलिए जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई जाने वाली परीक्षा स्पेशल ट्रेन स्टेशन पर पहुंची तो अभ्यर्थियों में अफरा-तफरी मच गयी. ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से नाराज छात्र पाटलिपुत्र-कटिहार एग्जाम स्पेशल ट्रेन के आगे पटरी पर बैठ गये. उन्होंने रेल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी.इसी बीच कुछ उपद्रवी तत्वों ने ट्रेन में तोड़फोड़, पत्थरबाजी शुरू कर दी. हंगामे की सूचना मिलते ही अधिकारियों ने वहां कई थानों की पुलिस को बुला लिया. लेकिन हालात बिगड़ते चले गये. स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने तीन राउंड हवाई फायरिंग की. पत्थरबाजी में आईजी जितेंद्र राणा और रूपसपुर थाना प्रभारी के जख्मी होने की खबर है. इसके बाद स्टेशन पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है.इसके बाद पुलिस और रेलवे के अधिकारी अभ्यर्थियों को समझाने-बुझाने में जुट गये. मामला शांत करने के लिए रेलवे प्रशासन ने तुरंत स्पेशल ट्रेन को रवाना कर दिया. स्टेशन पर आईजी जितेंद्र राणा, एसपी, दानापुर एसडीएम और एएसपी समेत कई थानों की पुलिस जमी हुई है.

सीतामढ़ी के सौरभ चौधरी ने सजाए कंधों पर सितारे

सीतामढ़ी: भारतीय सैन्य अकादमी के ऐतिहासिक चैटवुड ग्राउंड में शनिवार सुबह एक भावुक और गौरवपूर्ण माहौल था. सैन्य बैंड की धुनों के साथ कदमताल की गूंज ने पूरे परिसर को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया. सैकड़ों परिवारों के वर्षों पुराने सपने इस दिन साकार होते दिखाई दिए. इस 158वीं पासिंग आउट परेड में बिहार के युवाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी सौरभ चौधरी के लिए यह दिन जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुआ. कठिन प्रशिक्षण, त्याग और अथक संघर्ष के बाद उन्होंने अपने कंधों पर लेफ्टिनेंट के सितारे सजा लिए. परिवार, मित्रों और प्रशिक्षकों की मौजूदगी में सौरभ भावुक नजर आए. यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सामूहिक मेहनत का परिणाम थी.सौरभ चौधरी ने एक अच्छी कॉरपोरेट नौकरी को त्यागकर भारतीय सेना में अधिकारी बनने का सपना पूरा किया. उन्होंने बताया कि कई बार परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रहीं, लेकिन वर्दी पहनकर राष्ट्रसेवा करने की इच्छा हमेशा उनके मन में प्रबल रही. यह फैसला आसान नहीं था, फिर भी देश के प्रति समर्पण ने उन्हें हर कठिनाई पार करने की शक्ति दी. परेड के बाद सौरभ ने अपने परिवार, प्रशिक्षकों और मित्रों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने में उनके समर्थन ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई. वर्षों की प्रतीक्षा, त्याग और निरंतर मेहनत के बाद यह दिन उनके जीवन का सबसे यादगार पल बन गया. इस परेड में कुल 515 जेंटलमैन कैडेटों को भारतीय सेना में कमीशन प्रदान किया गया. ये नए अधिकारी अब देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं. चैटवुड ग्राउंड पर हुई इस भव्य परेड ने न केवल नव-आयोगित अधिकारियों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि पूरे राष्ट्र को सैन्य शौर्य की याद दिलाई. सौरभ चौधरी की कहानी उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से नहीं हटते. कॉरपोरेट क्षेत्र की सुविधाओं को छोड़कर वर्दी चुनने का उनका फैसला देशभक्ति की मिसाल है. बिहार के इस युवा ने साबित किया कि सच्ची मेहनत और समर्पण से हर सपना पूरा किया जा सकता है. अब सौरभ समेत सभी नए अधिकारियों के सामने देश सेवा का नया अध्याय शुरू हो गया है. चैटवुड ग्राउंड पर गूंजी राष्ट्रगान की ध्वनि और सितारों की चमक न केवल इन युवाओं के भविष्य को रोशन कर रही है, बल्कि पूरे देश को गर्व से भर रही है.

नालंदा से 'खाटू श्याम का लाडला' गिरफ्तार, जमीन खरीद-बिक्री के नाम पर करोड़ों की ठगी का आरोप

एजेंसी

नालंदा: बिहारशरीफ में जमीन खरीद-बिक्री और निवेश के नाम पर कथित करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. खाटू श्याम का लाडला के नाम से चर्चित नीतीश कुमार को शिकायत मिलने के बाद लहेरी थाना पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. मामले को लेकर शहर में चचाओं का बाजार गर्म है और कई अन्य लोगों के भी सामने आने की संभावना जताई जा रही है.

जमीन और निवेश पर मोटे मुनाफे का भरोसा देकर रकम लेने का आरोप

पीड़ितों का आरोप है कि नीतीश कुमार ने जमीन उपलब्ध कराने और निवेश पर बेहतर लाभ दिलाने का भरोसा देकर लोगों से लाखों और करोड़ों रुपये की राशि ली. आरोप है कि तय समय बीत जाने के बावजूद न तो जमीन का हस्तांतरण किया गया और न ही निवेशकों को उनकी रकम वापस मिली. इसके बाद कई लोगों ने पुलिस से शिकायत की.

कारोबारी ने लगाया तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

मामले में पाल इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक वीरेंद्र ने गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि जमीन खरीद-बिक्री से जुड़े विभिन्न सौदों के दौरान उनके साथ लगभग तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है. उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में आर्थिक नुकसान और विश्वासघात का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है.

सामने आ सकते हैं कई और निवेशक

सूत्रों की मानें तो जांच आगे बढ़ने के साथ कई अन्य लोग भी शिकायत लेकर सामने आ सकते हैं. बताया जा रहा है कि इसी प्रकार के निवेश और जमीन संबंधी सौदों में कई लोगों ने अपनी रकम लगाई थी. पुलिस अब संभावित पीड़ितों और लेन-देन के दायरे की भी पड़ताल कर रही है.

दस्तावेजों और बैंकिंग ट्रांजेक्शन की हो रही जांच

पुलिस सूत्रों के अनुसार शिकायतों के आधार पर जमीन से जुड़े कागजात, निवेश संबंधी दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की बारीकी से जांच की जा रही है. यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कुल कितने लोगों से राशि ली गई और कथित तौर पर कितनी रकम का लेन-देन हुआ है.

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी वास्तविक स्थिति

पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. जांच पूरी होने और उपलब्ध साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

पुलिस की कार्रवाई पर टिकी लोगों की नजर

चर्चित मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं. शहर में इस मामले को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है और पीड़ित पक्ष न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है.

बिहार के महाधिवक्ता पीके शाही ने अपने पद से इस्तीफा दिया, नीतीश सरकार ने किया था नियुक्त

एजेंसी

बिहार : बिहार के महाधिवक्ता पीके शाही द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिये जाने की खबर है. वह नीतीश कुमार की सरकार में महाधिवक्ता नियुक्त हुए थे. पूर्व में श्री शाही नीतीश सरकार में शिक्षा मंत्री भी रह चुके थे. जानकारी के अनुसार पीके शाही ने अपना इस्तीफा सरकार को प्रेषित कर दिया है.भाजपा के सम्राट चौधरी के सीएम बनने के दो माह बाद पीके शाही ने महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दिया. पीके शाही लंबे समय से राज्य के प्रमुख विधि अधिकारी के रूप में कार्यरत भी रहे थे बताया जाता है कि कानून और प्रशासनिक मामलों में श्री शाही की गहरी पकड़ थी.नीतीश कुमार पीके शाही को 16 जनवरी 2023 को बिहार सरकार का महाधिवक्ता नियुक्त किया था. तत्कालीन महाधिवक्ता ललित किशोर के इस्तीफे के बाद नीतीश सरकार ने श्री शाही को महाधिवक्ता बनाया था. यह खबर भी सामने आयी है कि झारखंड सरकार के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा राज्य के मुख्य सचिव को भेज दिया है. हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि सरकार ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया है या नहीं.

क्या स्टार्टअप फंड्स दिला सकते हैं 10 गुणा रिटर्न?

स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का देने में सक्षम

● अब हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड निवेश का बढ़ रहा आकर्षण ● स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां ● एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम

निवेश मंत्रा

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का लक्ष्य अपनी पूंजी को धीरे-धीरे बढ़ाना होता है। इसके लिए एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) लंबे समय से सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में स्टार्टअप्स की सफलता की कहानियों ने निवेशकों का ध्यान एक नए एसेट क्लास की ओर खींचा है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्टार्टअप फंड्स या एंजेल इन्वेस्टिंग वास्तव में 10 गुना या उससे अधिक रिटर्न दे सकते हैं? इसका जवाब है—हां, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां हैं। जहां एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम है, वहीं स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं।

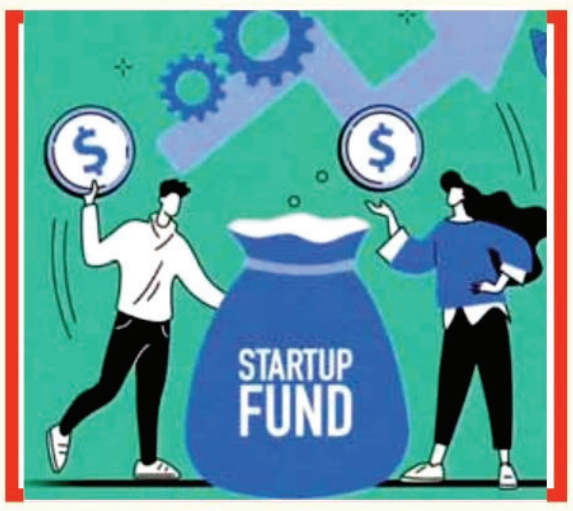

एसआईपी-स्टार्टअप फंड्स में अंतर

- एसआईपी के माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी राशि निवेश करते हैं। यह पैसा विभिन्न कंपनियों और सेक्टरों में फैला होता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का लाभ मिलने से निवेशक अच्छी संपत्ति बना सकते हैं।
- स्टार्टअप फंड्स या एंजेल निवेश में पैसा सीधे उन कंपनियों में लगाया जाता है जो अपने शुरुआती विकास चरण में होती हैं। इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित होता है। यदि बिजनेस मॉडल सफल हो गया तो निवेशकों को कई गुना रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यदि स्टार्टअप असफल हुआ तो पूरी पूंजी डूबने का खतरा भी रहता है।

एक्सपोनेंशियल ग्रोथ की ताकत

स्टार्टअप्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी तेज विकास क्षमता होती है। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में स्टार्टअप्स नई तकनीक, नए बिजनेस मॉडल और बड़े बाजार अवसरों के कारण बहुत तेजी से बढ़ सकते हैं। यदि किसी निवेशक ने शुरुआती दौर में किसी सफल स्टार्टअप में निवेश किया हो और वह कंपनी बाद में बड़ी बन जाए, तो निवेश की गई राशि कई गुना बढ़ सकती है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जहां शुरुआती निवेशकों ने 10, 50 और यहां तक कि 100 गुणा तक का रिटर्न हासिल किया है।

तुरंत नहीं मिलता एग्जिट

स्टार्टअप निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। यहां निवेशक को अपने पैसे पर रिटर्न पाने के लिए कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी स्टार्टअप से लाभ कमाने के लिए कंपनी का अधिग्रहण, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना या किसी बड़े निवेशक द्वारा हिस्सेदारी खरीदना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया अक्सर 5 से 10 वर्ष या उससे अधिक समय ले सकती है।

कम लिक्विडिटी

एसआईपी या शेयर बाजार में निवेश को जरूरत पड़ने पर अपेक्षाकृत आसानी से भुनाया जा सकता है, जबकि स्टार्टअप निवेश में ऐसा संभव नहीं होता। इसलिए इस श्रेणी में वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो।

निवेश के नए अवसर

पहले स्टार्टअप निवेश केवल बड़े निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स तक सीमित था। लेकिन अब भारत में एंजेल नेटवर्क, स्टार्टअप निवेश प्लेटफॉर्म और वैकल्पिक निवेश साधनों के जरिए छोटे निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं। कई प्लेटफॉर्म निवेशकों को चुनिंदा स्टार्टअप्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

सीमित समय में बड़ी वैल्यूएशन

जब कोई स्टार्टअप लगातार फंडिंग जुटाता है और उसका कारोबार बढ़ता है, तो उसकी वैल्यूएशन भी तेजी से बढ़ती है। शुरुआती निवेशक कम वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी खरीदते हैं, इसलिए कंपनी की कीमत बढ़ने पर उनके निवेश का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाता है।

अधिकांश स्टार्टअप्स हो जाते हैं असफल

स्टार्टअप निवेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें असफलता की दर बहुत अधिक होती है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश शुरुआती स्टार्टअप्स लंबे समय तक टिक नहीं पाते। कई कंपनियां फंडिंग की कमी, कमजोर बिजनेस मॉडल या प्रतिस्पर्धा के कारण बंद हो जाती हैं। यही कारण है कि अनुभवी निवेशक केवल एक या दो स्टार्टअप्स पर दांव नहीं लगाते, बल्कि कई कंपनियों में निवेश करके जोखिम को फैलाने की कोशिश करते हैं।

पूंजी डूबने की संभावना

म्यूचुअल फंड या सूचीबद्ध शेयरों की तरह स्टार्टअप निवेश में निवेशक को रोजाना बाजार मूल्य देखने या आसानी से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिलती। यदि स्टार्टअप बंद हो जाए तो निवेश की गई पूरी राशि खोने की संभावना रहती है।

रिसर्च सबसे महत्वपूर्ण

स्टार्टअप में निवेश करते समय केवल आकर्षक प्रेजेंटेशन या बड़े दावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निवेश से पहले फाउंडर्स की क्षमता, बिजनेस मॉडल, कंपनी की आय संभावनाएं, प्रतिस्पर्धा, बाजार का आकार और स्केलेबिलिटी जैसे पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है।

पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही लगाएं

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर सुझाव देते हैं कि स्टार्टअप निवेश को कुल पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही रखा जाए। अधिकांश निवेशकों के लिए यह अनुपात 5% से 10% के बीच उपयुक्त माना जाता है। मुख्य निवेश, आपातकालीन फंड और रिटायरमेंट की तैयारी जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतें अभी भी एसआईपी, म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और अन्य अपेक्षाकृत स्थिर निवेश साधनों पर आधारित होनी चाहिए।

विविधीकरण बनाए रखें

एक ही स्टार्टअप में बड़ी राशि लगाने की बजाय अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करना जोखिम कम करने का बेहतर तरीका हो सकता है। इससे किसी एक असफल निवेश का प्रभाव पूरे पोर्टफोलियो पर कम पड़ता है।

डेट फंड्स: टैक्स लाभ खत्म क्या एफडी बेहतर विकल्प?

जानकारी

● इंडेक्सेशन हटने के बाद निवेशकों के सामने बड़ा सवाल

एक समय था जब डेट म्यूचुअल फंड्स को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का बेहतर विकल्प माना जाता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी इंडेक्सेशन का टैक्स लाभ, जिससे निवेशकों का वास्तविक टैक्स बोझ काफी कम हो जाता था। लेकिन 2023 में सरकार द्वारा इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद निवेशकों के सामने नया सवाल खड़ा हो गया है—क्या अब डेट फंड्स की उपयोगिता खत्म हो गई है और एफडी बेहतर विकल्प बन गए हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल टैक्स के आधार पर यह फैसला लेना सही नहीं होगा। निवेश का चुनाव करते समय लिक्विडिटी, रिटर्न, कंपाउंडिंग, ब्याज दरों का रुझान, महंगाई और निवेश अवधि जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना जरूरी है।

टैक्स बराबर, लेकिन दोनों उत्पाद समान नहीं

इंडेक्सेशन हटने के बाद डेट फंड्स से होने वाला लाभ अब निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स के दायरे में आता है। यही नियम अधिकांश एफडी निवेशकों पर भी लागू होता है। इसलिए पहली नजर में दोनों उत्पाद टैक्स के मामले में समान दिखाई देते हैं। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर अब भी मौजूद है। एफडी में अर्जित ब्याज पर हर वर्ष टैक्स देना पड़ता है, चाहे निवेशक पैसा निकाले या नहीं। इसके विपरीत डेट फंड्स में टैक्स तभी लगता है जब निवेशक यूनिट्स को रिडीम करता है। इसका फायदा यह होता है कि पूरा निवेश बिना टैक्स कटौती के लंबे समय तक कंपाउंड होता रहता है।

रिटर्न के मामले में अभी भी प्रतिस्पर्धी हैं डेट फंड्स

इंडेक्सेशन हटने के बावजूद डेट फंड्स ने अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार रखी है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि लिक्विड फंड और लो-ड्यूरेशन फंड जैसी श्रेणियों ने कई मामलों में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हालांकि डेट फंड्स का रिटर्न बाजार आधारित होता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन उचित अवधि के लिए निवेश करने पर ये एफडी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाले जा सकते हैं पैसे

एफडी और डेट फंड्स के बीच सबसे बड़ा अंतर लिक्विडिटी का है। यदि निवेशक एफडी को समय से पहले तोड़ता है तो उसे पेनाल्टी या कम ब्याज दर का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर अधिकांश डेट फंड्स में कोई लॉक-इन नहीं होता। निवेशक जरूरत पड़ने पर आसानी से अपना पैसा निकाल सकता है। यही कारण है कि कई वित्तीय विशेषज्ञ डेट फंड्स को अल्प और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। कई मामलों में दोनों का संयोजन ही सबसे प्रभावी रणनीति साबित हो सकता है।

गिरती ब्याज दरों में बढ़ सकता है फायदा

एफडी निवेशकों को पहले से तय रिटर्न मिलता है। इसमें बाजार परिस्थितियों का कोई असर नहीं पड़ता।लेकिन डेट फंड्स बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। जब ब्याज दरें घटती हैं, तो पुराने उच्च ब्याज वाले बॉन्ड की कीमत बढ़ जाती है, जिससे डेट फंड्स को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यानी यदि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती का दौर जारी रहता है, तो डेट फंड्स FD की तुलना में बेहतर प्री-टैक्स रिटर्न दे सकते हैं।

एफडी में सुरक्षा, डेट फंड्स में सीमित उतार-चढ़ाव

एफडी का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी निश्चितता है। निवेशक को पहले दिन ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी राशि मिलेगी। वहीं डेट फंड्स में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में हल्का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि यह उतार-चढ़ाव इक्विटी फंड्स की तुलना में काफी कम होता है। जो निवेशक बाजार आधारित मामूली जोखिम स्वीकार कर सकते हैं, उनके लिए डेट फंड्स अतिरिक्त लाभ का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

महंगाई को नजरअंदाज करना नुकसानदायक

कई निवेशक केवल ब्याज दर देखकर एफडी चुन लेते हैं, लेकिन वास्तविक रिटर्न का आकलन महंगाई और टैक्स को घटाने के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि कोई निवेश 7% रिटर्न दे रहा है और महंगाई 5% के आसपास है, तो वास्तविक संपत्ति निर्माण सीमित रह सकता है। इसलिए निवेशकों को नाममात्र रिटर्न की बजाय वास्तविक रिटर्न पर ध्यान दें।

एफडी किसके लिए उपयुक्त?

- सेवानिवृत्त निवेशक
- आपातकालीन फंड रखने वाले
- पूंजी सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशक
- एक से दो साल के निश्चित लक्ष्य वाले निवेशक

डेट फंड्स किसके लिए उपयुक्त?

- 1 से 5 वर्ष की निवेश अवधि वाले
- बेहतर लिक्विडिटी चाहने वाले
- सीमित जोखिम लेकर अतिरिक्त रिटर्न की संभावना तलाशने वाले
- टैक्स-डिफर्ड कंपाउंडिंग का लाभ चाहने वाले निवेशक
- दोनों का संयोजन भी बेहतर
- वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी और डेट फंड्स को प्रतिस्पर्धी उत्पाद मानने की बजाय पूरक निवेश साधन के रूप में देखना चाहिए।
- उदाहरण के लिए, आपातकालीन फंड और निकट भविष्य की जरूरतों के लिए एफडी उपयुक्त हो सकती है, जबकि 2 से 5 वर्षों के वित्तीय लक्ष्यों के लिए डेट फंड्स बेहतर लचीलापन और संभावित रूप से बेहतर रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स पिछड़ रहे हैं क्या अब निकल जाना बेहतर

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। इसलिए अब निवेशक इनका रुख कर सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखने योग्य है कि हर साल हर सेगमेंट रिटर्न अलग-अलग रहता है। इसलिए सोच समझकर ही कदम उठाएं

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ महीनों में मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जबकि लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए हैं। यही वजह है कि कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या अब लार्ज कैप फंड्स से पैसा निकालकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में शिफ्ट कर देना चाहिए? वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। हालांकि केवल कुछ महीनों के प्रदर्शन के आधार पर निवेश रणनीति बदलना हमेशा सही निर्णय नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप फंड्स अभी भी किसी भी संतुलित निवेश पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली की है। इसका सबसे ज्यादा असर बैंकिंग, आईटी और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टरों पर पड़ा, जिनका लार्ज कैप इंडेक्स में बड़ा हिस्सा होता है। आईटी सेक्टर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी अनिश्चितताओं का दबाव रहा, जबकि बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई संबंधी चिंताओं से प्रभावित हुए। इन परिस्थितियों ने लार्ज कैप शेयरों की बढ़त को सीमित कर दिया।

हर दौर का अपना विजेता

निवेश की दुनिया में कोई भी श्रेणी हमेशा नंबर-1 नहीं रहती। कभी लार्ज कैप आगे रहते हैं तो कभी मिड और स्मॉल कैप निवेशकों को बेहतर रिटर्न देते हैं। इतिहास बताता है कि बाजार का नेतृत्व समय-समय पर बदलता रहता है। जब मिड और स्मॉल कैप शेयरों की वैल्यूएशन बहुत अधिक हो जाती है या उनकी कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती है, तब निवेशकों का रुझान फिर से लार्ज कैप कंपनियों की ओर बढ़ता है। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन देखकर निवेश निर्णय लेना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्यों अब भी महत्वपूर्ण लार्ज कैप फंड्स?

1. **मजबूत और स्थापित कंपनियों में निवेश**
   लार्ज कैप फंड्स देश की सबसे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों के पास मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर कारोबार और बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस होती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान ये कंपनियां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिरता प्रदान करती हैं।
2. **विदेशी और संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद**
   जब बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है, तो सबसे पहले बड़े निवेशक लार्ज कैप शेयरों में पैसा लगाते हैं। उनकी बेहतर लिक्विडिटी और मजबूत व्यवसायिक स्थिति उन्हें निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। यही कारण है कि बाजार में सकारात्मक माहौल बनने पर लार्ज कैप शेयर तेजी से वापसी कर सकते हैं।
3. **कम जोखिम के साथ संतुलित रिटर्न**
   लार्ज कैप कंपनियां पहले से ही बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा रखती हैं, इसलिए उनकी वृद्धि दर मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की तुलना में धीमी हो सकती है। फिर भी उन्होंने लंबे समय में अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो निवेशक स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण चाहते हैं, उनके लिए यह श्रेणी आज भी महत्वपूर्ण है।

क्या अभी वैल्यूएशन का अवसर बन रहा

सस्ते होते लार्ज कैप शेयर
कई बार लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन किसी निवेश श्रेणी को आकर्षक बना देता है। जब निवेशकों का ध्यान मिड और स्मॉल कैप शेयरों की ओर चला जाता है, तब कई अच्छी लार्ज कैप कंपनियां उचित या कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति भविष्य में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। निवेशक जब फिर से सुरक्षित और स्थिर कंपनियों की ओर लौटते हैं, तब लार्ज कैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विविधीकरण और स्थिरता

किसी भी संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्ज कैप फंड्स की भूमिका सिर्फ हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देना नहीं होती। उनका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बाजार की अग्रणी कंपनियों में भागीदारी, बेहतर लिक्विडिटी और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव प्रदान करना है। यही कारण है कि अधिकांश वित्तीय सलाहकार लार्ज कैप फंड्स को पोर्टफोलियो का स्थिर हिस्सा मानते हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

जो निवेशक पहली बार इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, उनके लिए लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत सुरक्षित शुरुआत माने जाते हैं। इनमें जोखिम कम होने के कारण निवेशक बाजार की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश किसे करना चाहिए?

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में लंबी अवधि में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनके साथ उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक होता है। कई बार ये फंड्स कुछ ही महीनों में 20-30 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसलिए इनमें वही निवेशक अधिक निवेश करें जो लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण रखते हों। बाजार की बड़ी गिरावट सहन कर सकते हों। उच्च जोखिम लेने के लिए तैयार हों। अपने पोर्टफोलियो में पहले से स्थिर निवेश बनाए हुए हों।

यह भी रखें ध्यान

- लार्ज कैप फंड्स का हालिया कमजोर प्रदर्शन निवेश से बाहर निकलने का पर्याप्त कारण नहीं है। बाजार चक्रों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग श्रेणियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लार्ज कैप फंड्स आज भी स्थिरता, लिक्विडिटी, विविधीकरण और मजबूत कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।
- निवेशकों को हाल के विजेताओं का पीछा करने की बजाय अपनी एसेट एलोकेशन रणनीति पर कायम रहना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण है, तो लार्ज कैप फंड्स को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उन्हें पोर्टफोलियो के मजबूत आधार के रूप में बनाए रखना अधिक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

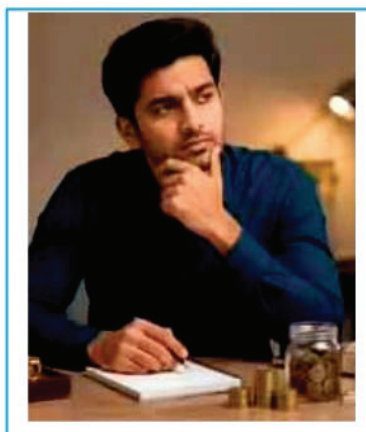

कमाई के साथ सुरक्षा भी, निवेशकों का बदल रहा नजरिया

● पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना उछाल ● केवल वेल्थ क्रिएशन नहीं, अब वेल्थ प्रोटेक्शन भी प्राथमिकता ●

सुझाव

भारतीय निवेशकों की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां अधिकांश लोग केवल अधिक रिटर्न और संपत्ति निर्माण पर ध्यान देते थे, वहीं अब वे अपनी पूंजी की सुरक्षा और भविष्य की आय सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि रिटायरमेंट-केंद्रित निवेश उत्पादों और गारंटीड रिटर्न योजनाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि निवेशक अब ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो बाजार आधारित वृद्धि के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करें। इस बदलती सोच का सबसे बड़ा लाभ पेंशन यूलिप (यूएलआईपी) और गारंटीड रिटर्न प्लान्स को मिल रहा है।

पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना वृद्धि

बीते वित्त वर्ष की तुलना में पेंशन यूलिप योजनाओं की मांग में लगभग 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह संकेत है कि लोग अब रिटायरमेंट की तैयारी को गंभीरता से लेने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा, महंगाई और पारंपरिक पारिवारिक सुरक्षा ढांचे में बदलाव के कारण लोग अपनी वृद्धावस्था की वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से योजना बना रहे हैं। पेंशन यूलिप की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यह भी है कि इसमें निवेशकों को बाजार आधारित वृद्धि के साथ दीर्घकालिक रिटायरमेंट फंड बनाने का अवसर मिलता है।

बदल रही है निवेश की परिभाषा

पहले निवेशक अक्सर अधिक रिटर्न और सुरक्षा में से किसी एक को चुनते थे, लेकिन अब वे दोनों का संतुलन चाहते हैं। इसी वजह से कई निवेशक पेंशन यूलिप के साथ रेवेन्यू ऑफ प्रीमियम्स जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी चुन रहे हैं। यह सुविधा किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी निवेश योजना को जारी रखने में मदद करती है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार आज का निवेशक केवल संपत्ति बनाना नहीं चाहता, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि उसका परिवार और भविष्य वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे।

रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती जागरूकता

पेंशन यूलिप खरीदने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। इस वर्ग की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग के निवेशकों की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल मिलाकर 36 वर्ष से अधिक आयु के निवेशक पेंशन यूलिप निवेश का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यम आयु वर्ग रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर पहले से अधिक जागरूक हो रहा है।

स्थिरता की ओर बढ़ रहा झुकाव

दिलचस्प बात यह है कि 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के निवेशक गारंटीड रिटर्न प्लान्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इस आयु वर्ग का इन योजनाओं में लगभग 50 प्रतिशत योगदान है। विशेषज्ञों का मानना है कि नौकरीपेशा युवाओं में वित्तीय अनुशासन और भविष्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निश्चित आय और पूंजी सुरक्षा वाले उत्पाद उन्हें अधिक भरोसेमंद लग रहे हैं।

हर आय वर्ग के लिए विकल्प

पेंशन यूलिप और गारंटीड रिटर्न प्लान्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें छोटे निवेशक भी आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। पेंशन यूलिप में निवेश कुछ हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं गारंटीड रिटर्न प्लान्स में भी कम मासिक प्रीमियम से निवेश शुरू करने की सुविधा उपलब्ध है।

निवेश संस्कृति का विस्तार

पहले निवेश संबंधी जागरूकता मुख्य रूप से महानगरों तक सीमित थी, लेकिन अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी वित्तीय योजनाओं के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है। हालांकि मेट्रो शहर अभी भी निवेश में अग्रणी हैं, लेकिन छोटे शहरों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह संकेत है कि वित्तीय साक्षरता और डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म्स ने निवेश को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्या पेंशन यूलिप और गारंटीड प्लान

- पेंशन यूलिप उपयुक्त हो सकते हैं यदि:
- आपका लक्ष्य रिटायरमेंट कॉर्पस बनाना है।
- निवेश अवधि लंबी है।
- आप बाजार आधारित वृद्धि चाहते हैं।
- बीमा और निवेश का संयोजन पसंद करते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान

- जोखिम लेने की क्षमता सीमित है।
- पूंजी सुरक्षा प्राथमिकता है।
- भविष्य की निश्चित वित्तीय जरूरतों की योजना बना रहे हैं।
- हालांकि गारंटीड रिटर्न योजनाएं सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन निवेशकों को वास्तविक रिटर्न का मूल्यांकन महंगाई को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसी तरह यूलिप में निवेश से पहले शुल्क, लॉक-इन अवधि, फंड विकल्प और दीर्घकालिक रिटर्न की संभावनाओं को समझना जरूरी है।

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफिकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

बहस के दौरान अलमिरोन ने ढका मुंह, मिला लाल कार्ड

सांता क्लारा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया।

ब्राजील से हारकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज ने उन्हें गेंद पास की।

खबर संक्षेप

एशियाई चैंपियनशिपः जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया। चीन ने 241.458 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान ने 239.461 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया।

डच लेडीज ओपन : संयुक्त पांचवें स्थान पर अवनि-दीक्षा

एमनेस। भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब अवनि प्रशांत और दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के पहले दिन अच्छी शुरुआत करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। अवनि और दीक्षा ने गॉयर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया। अवनि और दीक्षा संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही चार खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे हैं। प्रणवी उर्स एक ओवर 58 के स्कोर से संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। हिताशी बक्शी 82 के बेहद खराब स्कोर से संयुक्त रूप से 132वें स्थान पर हैं और उनका कट से चूकना लगभग तय लग रहा है। स्वीडन की लिसा पेटरसन, नार्वे की डोर्थिया फोरब्रिड, उत्तरी आयरलैंड की ओलीविया मेहाफी और इटली की एलेसांद्रा फेनाली चार अंडर 68 के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

टीम इंडिया को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर पंड्या

नई दिल्ली

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंग्लैंड के खलिफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। पंड्या को बॉलिंग का वर्कलोड पूरा न कर पाने के कारण सीरीज से बाहर करने का फैसला लिया गया।

वह 10 ओवर का अपना पूरा कोटा नहीं डाल सके। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां टी20 और वनडे सीरीज खेली जानी है। इससे पहले भारतीय वनडे टीम को पंड्या के रूप में बड़ा झटका लगा है।

1 जुलाई से भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत का इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा। 1 से 11 जुलाई के बीच 5पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 14 से 19 जुलाई के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

अफगानस्तिान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए पंड्या

पंड्या इससे पहले क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण अफगानस्तिान के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए थे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पंड्या ने सीरीज से पहले एक सप्ताह जबरदस्त ट्रेनगि की थी और पूरा कोटा गेंदबाजी भी की थी, मगर फिर बेंगलुरु से रवाना होने से कुछ घंटे पहले उन्हें अपने क्वाड्रिसेप्स में तकलीफ महसूस हुई थी, जिस वजह से वह अफगानस्तिान के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे और अब स्पोर्ट्स तक को जानकारी मिली है कि वह इंग्लैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की । सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया।

अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया

पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। अब उसे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के लिए विख्यात दक्षिण अफ्रीका की चुनौती से पार पाना है। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी के बीच हो सकता है। पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की मंधाना की काबिलियत और हरमनप्रीत के अनुभव के साथ शेफाली वर्मा और रिचा की आक्रामक बल्लेबाजी अहम होगी।

द.अफ्रीका के पास दबाव से निपटने का अनुभव

वहीं दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें कप्तान लौरा वोल्वार्ट और मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से मिली पराजय के बाद पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर वापसी की। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट की सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से है। पिछली बार टी20 विश्व कप फाइनल खेल चुकी इस टीम के पास दबाव से निपटने का काफी अनुभव है।

मकाऊ ओपन : सेमीफाइनल में हारीं अश्मिता

मकाऊ

अश्मिता चालिहा की महिला एकल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क गा यून से सीधे गेम में हार के साथ भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया।

विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी 38 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 61वें नंबर की खिलाड़ी पार्क से 17-21, 9-21 से हार गई। जब अश्मिता ने 15-11 की बढ़त बनाई तो ऐसा लग रहा था कि वह पहला गेम जीत जाएंगी, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार छह अंक जीतकर जोरदार वापसी की और 16-15 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने भी हार नहीं मानी और स्कोर 17-17 से बराबर कर दिया, लेकिन पार्क ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर बढ़ाया और अगले चार अंक हासिल करके पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर दिया।

लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं अश्मिता

दूसरे गेम में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी का दबदबा बना रहा क्योंकि अश्मिता अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं। दूसरे गेम के शुरू में स्कोर 3-3 से बराबर था लेकिन इसके बाद पार्क ने 9-5 की बढ़त बना ली, जिसके बाद उन्होंने लगातार आक्रामक विनर्स और शानदार नेट प्ले के दम पर अपनी बढ़त को कायम रखा और भारतीय खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। अश्मिता की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त हो गया।

आज भारत-ए और श्रीलंका-ए में फाइनल मुकाबला

दांबुला। भारत ए की टीम त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के फाइनल में रविवार को जब श्रीलंका ए का सामना करेगी तो सभी की निगाह वैभव सूर्यवंशी पर टिकी रहेंगी। भारतीय टीम लीग मैच में श्रीलंका ए से सुपर ओवर में हार गई थी और वह इसका बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। श्रीलंका के दौरे पर आए सूर्यवंशी को दांबुला की धीमी पिचों पर संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने अब तक चार मैचों में 14, 44, 21 और 38 रन बनाए हैं। अफगानिस्तान ए के खिलाफ भारत के करो या मरो वाले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही थी लेकिन वह केवल 38 रन ही बना पाए और अब उन पर वापसी करने का दबाव होगा। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित होगी। उसने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 319 रन बनाए थे।

दोहा डायमंड लीग

चोट के बाद वापसी, चौथे स्थान पर रहे नीरज

दोहा

चोट के कारण अपने सत्र की शुरुआत देर से करने वाले भाला फेंक के दिग्गज भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले 28 वर्षीय चोपड़ा ने अपने तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। चो प ड़ा पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान रहे हैं। उन्हें यह चोट सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के दौरान लगी थी। विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहने के बाद वह पहली बार किसी प्रतियोगिता में में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वह 25 मई से स्विट्जरलैंड में अभ्यास कर रहे थे।

मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं : चोपड़ा

चोपड़ा ने ट्वीट किया, 'वापसी करके खुशी हुई। 85.69 मीटर का थ्रो अच्छा लगा और मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं।' चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरुआत की और 82.77 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गए, जिससे 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी जगह पक्की हो गई। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में और भी बेहतर प्रदर्शन किया और भाले को 85.69 मीटर तक फेंका और एक स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। लेकिन जैसे ही 23 वर्षीय पथिरागे ने चौथे प्रयास में 88.68 मीटर का थ्रो करके बढ़त हासिल की, चोपड़ा चौथे स्थान पर खिसक गए।

हॉकी महिला नेशंस कप : कप्तान सलीमा चुनी गई 'प्लेयर आफ द मैच'

भारत ने दी चिली को 6-0 से शिकस्त, फाइनल में एंट्री

आकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चिली को 6-0 से हराकर एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के लिए नवनीत कौर (छठा और 13वां मिनट) और दीपिका (14वां और 18वां) ने दो-दो गोल किए जबकि नेहा (32वां) और रुतुजा पिसाल (39वां) ने एक-एक गोल दागा।

टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। 'प्लेयर आफ द मैच' चुनी गई कप्तान सलीमा टेटे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत का सामना फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

टीम इंडिया ने बनाया रखा गेंद पर नियंत्रण

भारत ने शुरू ही से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत के गोल की मदद से बढ़त बना ली। भारत की बढ़त जल्दी ही दुगुनी हो गई जब बाएं फ्लैंक से सलीमा ने दौड़कर नवनीत को गेंद सौंपी, जिसने गोल कर दिया। ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत की बढ़त 3-0 की कर दी। दीपिका के नाम अब टूर्नामेंट में सर्वाधिक छह गोल हो गए हैं।

भारत का ब्रेक के बाद भी दबदबा

हाफ टाइम तक 4-0 से आगे भारत ने ब्रेक के बाद भी दबदबा जारी रखा। नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 5-0 कर दिया। रुतुजा ने रिवर्स हिट पर भारत का छठा गोल दागा। चिली ने आखिरी क्वार्टर में कुछ मौके बनाए लेकिन भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता ने जबर्दस्त बचाव करते हुए उसे एक भी गोल नहीं करने दिया।

उत्तराखंड नगरासू गुरुद्वारा विवाद, तोड़फोड़ के साथ पानी की सप्लाई रोकी

एजेंसी

रुद्रप्रयाग: नगरासू स्थित गुरुद्वारे को लेकर शुरू हुआ विवाद अब 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी सुलझ नहीं पाया है. गुरुद्वारे की छत पर कुछ निहंग सिखों के डटे रहने से क्षेत्र में तनाव और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. प्रशासन लगातार वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है. इस बीच गुरुद्वारा संचालक बेहंत सिंह ने पत्रकार वार्ता कर मामले पर अपना पक्ष रखा.गुरुद्वारे की छत पर चढ़े निहंग किसी मान्यता प्राप्त समिति या पंजीकृत संगठन से जुड़े नहीं: गुरुद्वारा संचालक बेहंत सिंह ने दावा किया

कि गुरुद्वारे की छत पर मौजूद निहंग सिख किसी मान्यता प्राप्त समिति या पंजीकृत संगठन से जुड़े नहीं हैं. उनका कहना है कि वास्तविक निहंग सिख संगठित और पंजीकृत संस्थाओं से जुड़े होते हैं. जबकि, वर्तमान में छत पर मौजूद लोगों की गतिविधियों से श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के बीच भय व असमंजस का वातावरण पैदा हो रहा है.

कब्जे में करीब 60 वर्षीय श्रद्धालु: गुरुद्वारा प्रबंधन का आरोप है कि एक करीब 60 वर्षीय श्रद्धालु को भी उनके साथ रोके रखा गया है, जिससे परिजनों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है. जबकि, एक युवक को उन्होंने बचा लिया है. हालांकि, प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास कर रहा है. उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने भी फोन के माध्यम से छत पर मौजूद निहंग सिखों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं.

तोड़फोड़ के साथ रोकी पानी की सप्लाई: बताया जा रहा है कि उनकी मांगों में 16 जून को कर्णप्रयाग में हुए विवाद के बाद जेल भेजे गए तीन निहंग सिखों की रिहाई की मांग भी शामिल है. गुरुद्वारा संचालक बेहंत सिंह ने बताया कि छत पर चढ़े निहंगों ने सोलर सिस्टम में तोड़फोड़ की है. साथ ही पानी की सप्लाई रोक दी है. जिससे गुरुद्वारे में काफी परेशानी हो रही है. जब फोन से संपर्क किया गया, तो वो अपशब्द कहने लगे. उनकी मांगों के समाधान का आश्वासन पुलिस कप्तान और गुरुद्वार प्रबंधन की ओर से दिया गया, लेकिन वो सुनने को तैयार नहीं है.

कर्णप्रयाग विवाद के बाद से ही माहौल संवेदनशील: गौर हो कि कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद से ही इस पूरे प्रकरण को लेकर संवेदनशील माहौल बना हुआ है. ऐसे में नगरासू की घटना ने प्रशासन की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, गुरुद्वारे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस बल लगातार निगरानी बनाए हुए हैं. चारधाम यात्रा मार्ग से सटे नगरासू में जारी इस घटनाक्रम पर पूरे जिले की नजरें टिकी हुई हैं.

स्थानीय लोग चिंतित: स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध के कारण क्षेत्र में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है. वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद कर रहे हैं.

कोचीन शिपयार्ड की सुरक्षा में बड़ी चूक, जहाज पर लिखा 'आई लव पाकिस्तान', देशद्रोह का केस दर्ज

एजेंसी

एनार्कुलम (केरल): केरल के कोचीन शिपयार्ड बड़ी सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है. यहां पर एक जहाज के अंदर 'आई लव पाकिस्तान' लिखा हुआ मिला. इसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है. वहीं शिपयार्ड प्रशासन के द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद देशद्रोह का केस दर्ज किया गया है.भारत के लिए रणनीतिक व सैन्य के हिसाब से काफी अहम कोचीन शिपयार्ड में एक बड़े जहाज की अंदर की दीवार पर किसी नुकीली चीज से आई लव पाकिस्तान खुदा हुआ मिला, यह जहाज अभी बन रहा है. घटना के बाद, एनार्कुलम टाउन साउथ पुलिस

ने देशद्रोह का केस दर्ज किया है. 200 से अधिक मजदूरों से पूछताछ इस बारे में एनार्कुलम साउथ पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जब रखरखाव और निर्माण का काम चल रहा था, तो लगभग 100 लोग, जिनमें स्थायी कर्मचारी और संविदा पर काम करने वाले मजदूर शामिल थे, जो जहाज तक पहुंच सकते थे. जहां लिखा गया वहां सीसीटीवी नहीं जिस खास जगह पर यह लिखा हुआ मिला, वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था. इसलिए, जांच उन लोगों पर केंद्रित है जिनका इस क्षेत्र में जाने की एंट्री है. अधिकारी ने कहा, पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद देशद्रोह का केस दर्ज किया, जिसमें 200 से ज्यादा शिपयार्ड कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए.उन्होंने आगे कहा, हमने उन लोगों से पूछताछ की है जो जहाज पर चढ़ने वाले थे, और हम सभी मुमकिन साइंटिफिक सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया में हैं. पुलिस शिपयार्ड के बायोमेट्रिक पंचिंग डेटा और एंट्री रजिस्टर की भी बारीकी से जांच कर रही है.शिपयार्ड मैनेजमेंट और सीआईएसएफ की तरफ से औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के बाद एनार्कुलम साउथ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की.

यूएस-ईरान की महाबैठक के लिए स्विट्जरलैंड पहुंचे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

एजेंसी

अमेरिका : अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में ऐतिहासिक वार्ता शुरू हो गई है, जिसका मुख्य एजेंडा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बदले उसके फ्रीज किए गए फंड को जारी करना है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हैं और पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के पहले दौर के लिए स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। रविवार को होने वाली इस हाई प्रोफाइल मीटिंग में ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और

अमेरिका द्वारा फ्रीज की गई ईरान की संपत्ति को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है। अगर दोनों देशों के बीच बात बन जाती है, तो अमेरिका ईरान के फंड से प्रतिबंध हटा सकता है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन चाहता है कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों को अपने उन परमाणु ठिकानों का दौरा करने की इजाजत दे, जिन पर पहले अमेरिका और इजरायल ने बमबारी की थी। इसके बदले में खबर है कि अमेरिका ईरान के फ्रीज किए गए फंड का कुछ हिस्सा जारी करने के मूड में है। इसकी शुरूआत कतर के बैंक अकाउंट में मौजूद 6 अरब डॉलर से होगी, जिसका इस्तेमाल सिर्फ मानवीय जरूरतों जैसे खाना और दवाई खरीदने के लिए किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हुई एक अंतरिम शांति डील के तहत इस बातचीत के लिए 60 दिनों का समय तय किया गया है। यह सालों पुराने टकराव को खत्म करने की एक बड़ी शुरूआत है, हालांकि इसमें इजरायल की तरफ से रुकावट आने का खतरा बना हुआ है।इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर भी स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि वे इस डील को लागू कराने में अपना पूरा सपोर्ट देंगे। दूसरी तरफ, वॉशिंगटन से रवाना होने से पहले जेडी वेंस ने मीडिया से कहा कि उनका यह दौरा काफी छोटा होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि परमाणु मुद्दे के साथ साथ लेबनान में सीजफायर के मुद्दे पर भी कुछ पॉजिटिव प्रोग्रेस होगी।ईरान की सरकारी मीडिया कक्क्ह के अनुसार, ईरान की तरफ से इस मीटिंग में संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती शामिल हैं। जेडी वेंस ने कहा कि इस पहली बैठक का मकसद बातचीत के लिए एक रियल और प्रैक्टिकल ढांचा तैयार करना है।अमेरिका को पूरी उम्मीद है कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को अपनी उन न्यूक्लियर साइट्स पर जाने देगा, जहां जून 2025 के बाद से कोई चेकिंग नहीं हुई है। इसके बदले ईरान को उसके फ्रीज एसेट्स वापस मिल सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी इंटेलिजेंस असेसमेंट ने एक बड़ी चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान की स्थिति और घरेलू राजनीतिक दबाव के चलते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस अमेरिका-ईरान बातचीत को फ्लॉप करने या इसमें अड़ंगा लगाने की पूरी कोशिश कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबर

दिन में दो बार इंसुलिन, कोमा का डर... योग से बदल गई जिंदगी, योगाचार्य वीएल रेगो की प्रेरक कहानी

मंगलुरु (कर्नाटक): एक बच्चा जिसके बारे में डॉक्टरों ने कहा था कि उसकी हयात (जीवन) ज्यादा दिन नहीं है. उसे चार साल की उम्र से दौरे (मिर्गी) पड़ने लगे, जवानी में ही उसकी एक किडनी चली गई. एक बार ब्लड शुगर लेवल 580 तक पहुंच गया. दिन में दो बार इंसुलिन, कोमा का डर, घर की परेशानियां... अगर वह एक सामान्य व्यक्ति होता, तो उसकी जिंदगी जल्द ही खत्म हो जाती. लेकिन यह व्यक्ति, जिसने योग को जिंदगी का तरीका चुना, 80 साल की उम्र में भी जोश के साथ जी रहा है.इसके अलावा, उन्होंने जर्मनी, अमेरिका, कनाडा, इटली और स्विट्जरलैंड समेत कई देशों में योग की ट्रेनिंग देकर हजारों लोगों को स्वस्थ जीवन जीने का रास्ता दिखाया है. मंगलुरु के योग गुरु वी.एल. रेगो की जीवन कहानी एक अनोखी कहानी है जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योग की ताकत का बखान करती है.बचपन में शुरू हुई जिंदगी की लड़ाई: पांच बच्चों में सबसे छोटे, रेगो को जन्म से ही स्वास्थ्य समस्याएं थीं. डॉक्टरों ने परिवार को बताया था कि रेगो के ज्यादा जीने की उम्मीद बहुत कम है. चार साल की उम्र में उन्हें मिर्गी होने लगी. चाहे स्कूल में हों या सड़क पर, उन्हें दौरे पड़ते थे. यह बीमारी लगभग 16 साल की उम्र तक रही. लेकिन उनकी जिंदगी में इससे भी बड़ी मुश्किलें आईं.जवानी में ही उनके पूरे शरीर में सूजन आने लगी. शुरू में उनके परिवार को इसकी गंभीरता समझ नहीं आई. बाद में जब उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया तो पता चला कि उनकी एक किडनी पूरी तरह खराब हो गई थी. सर्जरी करके किडनी निकाल दी गई. उस दिन से लेकर आज तक, वह पांच दशकों से ज्यादा समय से एक किडनी के साथ स्वस्थ जीवन जी रहे हैं. 1974 में एक और झटका लगा. उनका ब्लड शुगर लेवल 580 हो गया. उस समय आज की तरह कोई एडवांस इलाज नहीं था. उन्हें दिन में दो बार इंसुलिन की बड़ी डोज लेनी पड़ती थी. कभी-कभी तो वे कोमा में भी चले जाते थे. डॉक्टरों ने कहा था कि इंसुलिन ही जिंदगी है. उनकी पत्नी का दो बार गर्भपात हो गया. तीसरी प्रेग्नेंसी के दौरान, वे सुरक्षित माहौल के लिए मंगलुरु चले आए. बाद में, उनके घर बेटी का जन्म हुआ. उनके जीवन में फिर से उम्मीद की किरण दिखाई दी. योग के बारे में और जानने की इच्छा उन्हें 1982 में हिमालय में शिवानंद आश्रम ले गई. वहां उन्होंने योग का गहन अध्ययन किया. बाद में, उन्होंने विवेकानंद सेंटर में योग का वैज्ञानिक अध्ययन, रिसर्च और मेडिकल बेसिस की ट्रेनिंग ली. वहीं उन्हें यकीन हुआ कि योग सिर्फ एक आध्यात्मिक अभ्यास नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक इलाज का एक निःशुल्क तरीका है. मंगलुरु में होने वाली योग क्लास के बारे में जानने के बाद, उन्हें जर्मनी के बैम्बर्ग शहर से पहला न्योता मिला. वहां, उन्होंने ईसाई पादरियों और बिशपों को योग की ट्रेनिंग दी. बिना किसी धार्मिक प्रचार के योग को स्वास्थ्य के साइंस के तौर पर पेश करने के उनके काम की वहां के लोगों ने तारीफ की. वहां से शुरू हुआ उनका सफर जर्मनी, इटली, स्विट्जरलैंड, कनाडा और अमेरिका समेत कई देशों तक फैला. उन्होंने विदेश में करीब 500 लोगों को योग की ट्रेनिंग दी है. अकेले मंगलुरु में, उन्होंने 400 से ज्यादा बैच सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं. रेगो की सेवा से प्रभावित होकर, जर्मन धार्मिक नेताओं ने उन्हें छह महीने के लिए जर्मनी में रहने और गिरजाघरों में योग सिखाने के लिए बुलाया. लेकिन उन्होंने अपने परिवार को छोड़कर विदेश में रहने से मना कर दिया. इसके बजाय, उन्होंने अपील की, मंगलुरु में एक योग सेंटर बनाने में मेरी मदद करें. 1991 में, जर्मनी ने लगभग 28 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी. उस मदद से, मंगलुरु के रानीपुरा में एक योग सेंटर बनाया गया. आज, यह एक बड़ा योग संस्थान बन गया है जो हजारों लोगों को सेहत का रास्ता दिखाता है.जिंदगी में उन्हें कई सम्मान और अवॉर्ड्स मिले. लेकिन उन्होंने कभी अवॉर्ड्स या प्रसिद्धि पाने के पीछे नहीं भागा. वह कहते हैं कि सेवा ही उनका लक्ष्य है. योग ने मुझे बचाया, जब वे अपनी जिंदगी को याद करते हैं तो आज भी भावुक हो जाते हैं.रेगो कहते हैं, मुझे चार साल की उम्र से एक बीमारी थी. मैं एक किडनी के सहारे जी रहा हूं. मुझे डायबिटीज, हार्ट अटैक, कोमा जैसी बीमारियां हुई हैं. आज मैं 80 साल का हूं. योग ने ही इस जिंदगी को स्वस्थ बनाया.

ओडिशा : भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का पीए बनकर रुपए ऐंठने का प्रयास, युवक गिरफ्तार

बरहामपुर (ओडिशा): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निजी सहायक बनकर रुपये ऐंठने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस ने बताया कि आरोपी जगन्नाथ मंडल (28) है, जो गोलंथरा पुलिस स्टेशन के पंचमा मोहंती साही का रहने वाला है. पुलिस ने जगन्नाथ के पास से एक मोबाइल फोन और दूसरी चीजें बरामद की हैं.पुलिस ने कहा, 19 जून को, राजेश कुमार पात्रा (33) ने बरहामपुर टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें 1 अप्रैल को 9692243697 नंबर से एक व्हाट्सएप कॉल आया था. नंबर पर 'नितिन नबीन पीए' नाम प्रदर्शित था.वहीं कॉल करने वाले ने खुद को नबीन का निजी सहायक बताया और पात्रा से पार्टी के काम के लिए 50,000 रुपये मांगे. इतना ही नहीं कॉल करने वाले ने यह भी धमकी दी कि अगर पात्रा ने पैसे नहीं दिए तो वह भाजपा अध्यक्ष से शिकायत कर देगा. इसी तरह की शिकायत गणेश नाहक (23) ने बड़ाबाजार पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी.नाहक ने बताया कि उन्हें उसी नंबर से कॉल आया था. कॉल करने वाले ने खुद को चिकिटी विधायक का सहायक बताते हुए नाहक से 50,000 रुपये मांगे थे. जब शिकायत करने वाले ने उसकी पहचान पूछी, तो कॉल करने वाले ने उसके खिलाफ नितिन नबीन के पास शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी.शिकायतों के आधार पर बरहामपुर टाउन और बड़ाबाजार पुलिस स्टेशनों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दो मामले दर्ज किए. जांच के दौरान पुलिस ने जगन्नाथ की कॉल ट्रैक करके उस पर ध्यान केंद्रित किया.बरहामपुर के एसपी सरवण विवेक एम ने कहा कि जगन्नाथ के खिलाफ 13 दिसंबर, 2024 को धोखाधड़ी का मामला पहले ही दर्ज किया जा चुका है. एसपी ने उन लोगों को सलाह दी जो आरोपी के शिकार हुए हैं कि वे आगे आएं और अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं.

ब्रिटेन में सियासी भूचाल, अपनी ही पार्टी में घिरे पीएम कीर स्टार्मर, इस्तीफे की अटकलें हुई तेज

एजेंसी

ब्रिटेन : ब्रिटेन में एक बड़ा राजनीतिक संकट गहरा रहा है, जहाँ प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। लेबर पार्टी में आंतरिक बगावत और प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम की उपचुनाव में जीत के बाद सोमवार को स्टार्मर अपने राजनीतिक भविष्य पर निर्णायक फैसला ले सकते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वहाँ के मशहूर अखबार द ऑब्जर्वर ने सोर्सेज के हवाले से यह दावा किया है, जिसके बाद ब्रिटेन में बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा होने की उम्मीद है। हालांकि, सरकारी सोर्सेज का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी सरकार चलाने की अपनी जिम्मेदारियों पर है।रिपोर्ट्स की मानें तो पिछले कुछ महीनों से स्टार्मर के खिलाफ उनकी खुद की लेबर पार्टी के अंदर बहुत ज्यादा प्रेशर बनाया

जा रहा है। हाल ही में शुक्रवार को उनके बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव जीत लिया है और वे संसद सदस्य बन गए हैं। बर्नहैम की इस जीत ने स्टार्मर के खिलाफ सीधे तौर पर लीडरशिप को चुनौती देने का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया है। द ऑब्जर्वर के मुताबिक, कोई भी फाइनल फैसला लेने से पहले स्टार्मर ने अपने ऑफिशियल कंट्री होम चेकर्स में अपनी वाइफ के साथ इस पूरे मामले पर लंबी चर्चा की है। पार्टी के बड़े नेताओं को उम्मीद है कि वह सोमवार को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई बड़ा और क्लियर स्टेटमेंट दे सकते हैं।

स्टार्मर का स्टैंड, चुनौती का सामना करने को तैयार

दूसरी तरफ, सरकारी सोर्सेज बार-बार कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री अपनी ड्यूटी को लेकर पूरी तरह कमिटेड हैं। उन्होंने स्टार्मर के शुक्रवार के बयान की याद दिलाई, जिसमें पीएम ने साफ कहा था कि वह लीडरशिप को लेकर किसी भी चुनौती का डटकर सामना करेंगे। उन्होंने अपनी पार्टी के लोगों से अंदरूनी लड़ाई बंद करने की अपील भी की थी।

लेबर पार्टी में भारी नाराजगी, बर्नहैम रेस में सबसे आगे

आपको बता दें कि 2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को एकतरफा जीत दिलाने के बावजूद, पिछले कुछ महीनों में कई विवादों और पॉलिसी यू-टर्न की वजह से स्टार्मर की पॉपुलैरिटी बहुत कम हुई है। पार्टी के 100 से ज्यादा सांसद खुलकर स्टार्मर से इस्तीफा या पद छोड़ने की टाइमलाइन की मांग कर चुके हैं। इस बीच, एंडी बर्नहैम को उनका सबसे मजबूत उत्तराधिकारी माना जा रहा है।

गुरुग्राम में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने किया योग, बोली- 'प्राणायाम से बेहतर कोई इलाज नहीं'

एजेंसी

गुरुग्राम: 12वें इंटरनेशनल योग दिवस के मौके पर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी डीएलएफ साइबर हब में पहुंची और हजारों लोगों को योग करवाया. गुरुग्राम सेक्टर 38 के देवीलाल स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर खेल मंत्री गौरव गौतम शामिल हुए. उन्होंने हजारों लोगों के साथ योग किया. इस दौरान उन्होंने युवाओं से नशे की लत से दूर रहने और योग करने की अपील की.

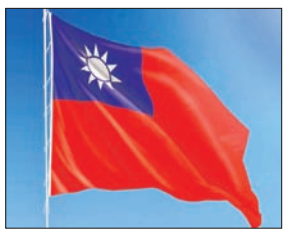

'योग का आनंद लेना चाहिए': शिल्पा ने कहा कि ₹योग की सही तकनीक का ध्यान रखते हुए हमने खूब मस्ती और मजा किया. मैं यहां मौजूद तीन साल के बच्चों को भी इससे परिचित कराना चाहती थी. उन्हें योग का आनंद लेना चाहिए. मैं हमारी युवा पीढ़ी तक यह संदेश पहुंचाना चाहती हूं, कृपया इसका

पूरा फायदा उठाएं. ये हमारे ऋषियों-मुनियों द्वारा दिया गया विज्ञान है. ये खुद को ठीक करने, मजबूत बनाने, मसल्स बनाने और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने का सबसे संपूर्ण तरीका है. इसलिए कृपया योग अपनाएं.

शिल्पा शेट्टी ने अपनी बीमारी का किया जिक्र: एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने कहा ₹मैं योग से इसलिए जुड़ी क्योंकि मुझे इसकी सलाह दी गई थी. मुझे स्पोंडिलोसिस की समस्या थी, इसलिए मेरे फिजियोथेरेपिस्ट ने मुझे ये आसन करने के लिए कहा. इसके बाद मैंने एक योग टीचर रखा और दूसरे आसन भी किए. जब ??मैं योग में और गहराई से उतरी, तो मुझे अपने अंदर बदलाव महसूस हुआ. इसने चीजों को देखने का मेरा नजरिया और ज़िंदगी के प्रति मेरी सोच बदल दी. यह आपको ज्यादा जागरूक बनाता है और यह खुद को जानने का एक सफर है. एक समय ऐसा था जब मैं अपनी गर्दन पूरी तरह घुमा नहीं पाती थी और पीछे मुड़कर नहीं देख पाती थी. अब मैं हेडस्टैंड (शीर्षासन) कर सकती हूं. सोचिए, यह वही शरीर है. तो योग ने मुझे सिखाया है कि मन शरीर से ज्यादा ताकतवर होता है.₹

लोगों से योग करने की अपील: शिल्पा शेट्टी ने कहा ₹योग की सबसे अच्छी बात यह है कि इसने मुझे खुश रखा है और मुझे 'अभी' में जीना सिखाया है. हम बहुत ज्यादा तनाव से गुजरते हैं. खासकर एक्टर्स, जो हमेशा लोगों की नजर में रहते हैं, और युवा पीढ़ी, जिन पर सोशल मीडिया और साथियों का दबाव होता है. मुझे लगता है कि इस पीढ़ी के लिए प्राणायाम से बेहतर कोई इलाज नहीं है.

इधर मेडियन लाईन चीन की पैंतरेबाजी, उधर ताइवान ने पहली Submarine का सी ट्रायल' शुरू किया

एजेंसी

चीन: ने ताइवान बॉर्डर पर फाइटर जेट्स और नौसैनिक जहाजों की तैनाती बढ़ाकर सैन्य तनाव बढ़ा दिया है, जिसके जवाब में ताइवान की सेना अलर्ट पर है। इस बढ़ते दबाव के बीच, ताइवान ने अपनी पहली स्वदेशी पनडुब्बी का समुद्री परीक्षण कर अपनी रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन किया है। ताइवान और चीन के बीच टेंशन एक बार फिर बढ़ गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रविवार सुबह 6 बजे तक ताइवान के समुद्री इलाके के आसपास चीन के 2 मिलिट्री एयरक्राफ्ट, 8 नौसैनिक जहाज और 4 सरकारी जहाज ऑपरेट करते हुए पाए गए हैं। ताइवान की सेना इस पूरी सिचुएशन पर पैनी नजर रखे हुए है और ड्रैगन को करारा जवाब देने के लिए अलर्ट मोड पर है।

शनिवार को भी चीन ने दिखाई थी दादागिरी

इससे ठीक एक दिन पहले, यानी

शनिवार को भी ताइवान ने अपने बॉर्डर के पास चीन के 5 फाइटर जेट्स, 9 नौसैनिक जहाज और 5 सरकारी जहाजों को डिटेक्ट किया था। बड़ी बात यह है कि इन 5 चीनी फाइटर जेट्स में से एक ने दोनों देशों के बीच की मीडियन लाइन को पार कर लिया था और ताइवान के साउथ-वेस्टर्न एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में एंट्री कर ली थी। चीन की इस हरकत के बाद ताइवान की आर्म्ड फोर्सेज तुरंत एक्शन में आ गई थीं।चीन की इस बढ़ती मिलिट्री एक्टिविटी और धमकियों के बीच ताइवान ने भी अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। फोकस ताइवान की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान की पहली डोमेस्टिकली बिल्ट सबमरीन अपने नए सी-ट्रायल के लिए काऊशुंग पोर्ट से रवाना हो चुकी है। इस ट्रायल में गहरे पानी में गोता लगाने का टेस्ट भी शामिल है। मिलिट्री न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस पनडुब्बी का यह कुल 15वां सी-ट्रायल है और पानी के नीचे चलने वाला 9वां टेस्ट है, जो दिखाता है कि ताइवान डिफेंस के मामले में आत्मनिर्भर हो रहा है। चीन और ताइवान का यह विवाद ऐतिहासिक, राजनीतिक और कानूनी तौर पर बेहद पेचीदा है। बीजिंग का दावा है कि ताइवान उसका ही एक अटूट हिस्सा है और उसने इस बात को अपनी नेशनल पॉलिसी और इंटरनेशनल स्टेटमेंट्स में भी शामिल कर रखा है। चीन का यह दावा 1683 के किंग राजवंश के समय से जुड़ा है, जब चीन ने इस आइलैंड पर कब्जा किया था। दूसरी तरफ, ताइवान खुद को एक इंडिपेंडेंट देश मानता है, जिसकी अपनी सरकार, अपनी सेना और अपनी खुद की मजबूत इकोनॉमी है। ताइवान का यह स्टेटस पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी डिबेट का मुद्दा बना हुआ है।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का धरना दूसरे दिन जारी

नई दिल्ली : शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, नीट अभ्यर्थियों और छात्र आत्महत्या के मामलों को लेकर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा. प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा. वहीं निर्धारित समय सीमा खत्म होने के बाद भी धरना जारी रहने पर दिल्ली पुलिस ने इसे अवैध घोषित कर दिया और प्रदर्शनकारियों को स्थल खाली करने की चेतावनी दे रहे हैं. धरना स्थल पर पुलिस द्वारा बार-बार यह घोषणा की गई कि प्रदर्शन की अनुमति समाप्त हो चुकी है और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार धरना अब गैरकानूनी माना जाएगा. इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने पुलिस की घोषणा का जवाब देते हुए कहा कि यदि धरना गैरकानूनी है तो उन बच्चों की मौतों की जिम्मेदारी तय क्यों नहीं की जा रही, जिनके आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस नियम के तहत एक मंत्री बच्चों की मौतों और शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवालों के बावजूद अपने पद पर बना रह सकता है. अभिजीत ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और इसके लिए बार-बार अनुमति की शर्त लगाना लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने जैसा है.

त्रिशूर : ओडिशा के युवक की पीट-पीटकर हत्या, छह गिरफ्तार

एजेंसी

त्रिशूर (केरल): एक चौंकाने वाली घटना में, केरल के त्रिशूर के एक रिहायशी इलाके में किराए के मकान में प्रवासी मजदूरों द्वारा चलाए जा रहे एक अवैध वेश्यालय में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई.इस बारे में पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान ओडिशा के धनपत नाइक (27) के रूप में हुई है. युवक के सिर में गंभीर चोटों की वजह से इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.त्रिशूर ईस्ट पुलिस ने असम और ओडिशा की चार महिलाओं और दो पुरुषों समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है. आठवें आरोपी को पकड़ने के लिए इंटेंसिव सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है, जो अभी फरार है.पुलिस ने बताया कि धनपत और उसके तीन दोस्त, जो एमजी रोड पर एक होटल में काम करते थे, गुरुवार रात करीब 10 बजे कुरुप्पम रोड पर कोराप्पाथ लेन के पास किराए के घर पर आए थे.यह जगह खास तौर पर ओडिशा के रहने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए बनाई गई थी. पुलिस ने बताया कि झड़प के बाद, धनपत और उसके दोस्तों ने कथित तौर पर ₹खराब सर्विस₹ की शिकायत की

और बिना पैसे दिए जाने की कोशिश की, जिससे युवकों और कोठे के संचालकों के बीच बहस शुरू हो गई.बढ़ते झगड़े के बीच, आठ लोगों के एक गैंग ने उन्हें घसीटकर वापस कोठे पर ले जाकर जानलेवा हथियारों से बुरी तरह हमला किया. हमले के दौरान धनपत के सिर पर गंभीर चोटें आईं.लोगों की बदनामी के डर से, उन युवाओं ने उस रात किसी को इस घटना के बारे में नहीं बताया, और न ही उन्होंने तुरंत मेडिकल मदद ली. लेकिन, शुक्रवार को जब धनपत की हालत बिगड़ी, तो उसके दोस्त उसे त्रिशूर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले गए, जहां रविवार सुबह हैमरेज के कारण उसकी मौत हो गई.जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि गैंग ने देह व्यापार का नेटवर्क चलाने के लिए त्रिशूर के एक रहने वाले की दो मंज़िला बिल्डिंग किराए पर ली थी. इसके बाद हुई छापेमारी में छह प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया।

धनुष की फिल्म 'ओम' से उठा पर्दा, अक्टूबर में होगी रिलीज

मुंबई। धनुष की जिस तमिल फिल्म 'ओम' का लंबे समय से इंतजार हो रहा था, उसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। राजकुमार पेरियासामी इसे निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म का लगभग 60 से 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसकी कहानी को कई अध्यायों में परत-दर-परत बताया जाएगा। 'ओम' नाम सिर्फ सुनने में ही अच्छा नहीं है, बल्कि यह कहानी से गहराई से जुड़ा है। यह फिल्म असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरणा लेती है। मलयालम के मशहूर अभिनेता मामूटी फिल्म में कार्तिकयन का किरदार निभा रहे हैं। उनका यह किरदार भी असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित है।

लाइफStyle

कियारा

प्रेग्नेंसी में 'देवी' और बाद में मोटी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों फिल्म 'टॉक्सिक' से चर्चा में है। एक्ट्रेस ने मदरहुड के लेकर अपने अनुभव शेयर किए हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान महिलाओं को कई भावनात्मक और शारीरिक बदलावों से गुजरना पड़ता है।

कियारा ने प्रेग्नेंसी के बाद आने वाली चुनौतियों, समाज की अपेक्षाओं और जीवन के प्रति बदले नजरिए पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मातृत्व ने उनकी सोच और जीवन को नए तरीके से देखने का नजरिया दिया है।

बता दें कि कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई, 2025 को अपनी बेटी साराया का स्वागत किया था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब आप गर्भवती होती हैं, तो हर कोई कहता है, 'हे भगवान, आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं, ये सब।' और जैसे ही बच्चा पैदा होता है, यह बदल जाता है, 'अभी मोटी लग रही हैं, थोड़ी ये लग रही हैं, थोड़ी वो लग रही हैं।

देवी की तरह समझते हैं : अभिनेत्री ने बताया, 'प्रेग्नेंसी के दौरान, आपको देवी की तरह समझा जाता है और बच्चे के जन्म के तुरंत बाद आपसे उम्मीद की जाती है कि आप पहले जैसी चुस्त-दुरुस्त और अपने जीवन में वापस लौट आएं लेकिन महिला के लिए सबसे मुश्किल समय प्रसव के बाद का होता है। यही वह समय है जब उसे सहारे की जरूरत होती है।

हॉलीवुड मसाला

एनोला होम्स... ओटीटी पर 1 जुलाई को

लॉस एंजिल्स। 'एनोला होम्स' अपने तीसरे सीजन के साथ लौट रही है। यह सीरीज 1 जुलाई, 2026 से सिर्फ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। मिली बॉबी ब्राउन एक बार फिर चालाक युवा जासूस की भूमिका में दिखेंगी, जो और भी बड़े रहस्यों को सुलझाती और रोमांचक कारनामों में उलझती नजर आएंगी। इस बार कहानी में मोड़ तब आता है, जब एनोला लॉर्ड ट्यूक्सबरी (लुई पार्ट्रिज) के साथ अपनी शादी की तैयारी कर रही होती है। तभी उसके भाई शरलॉक (हेनरी कैविल) का अपहरण हो जाता है। शरलॉक को बचाने की अपनी कोशिशों में एनोला को एक बड़े राष्ट्रीय षड्यंत्र का पता चलता है।

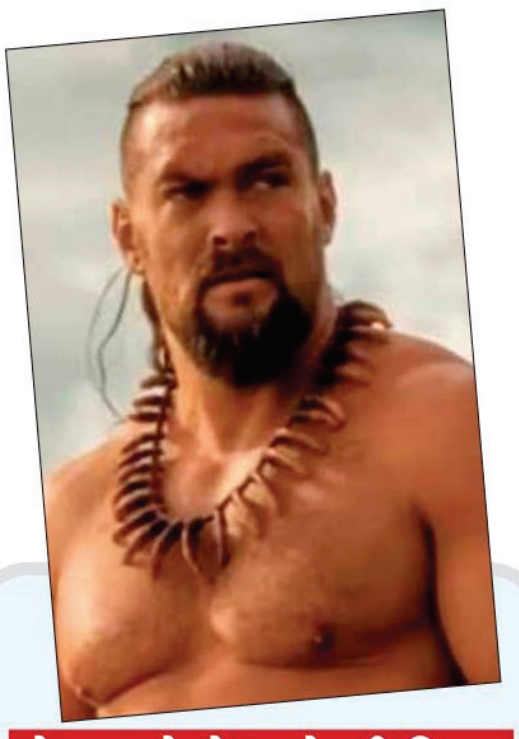

जेसन मोमोआ ने की विद्युत जामवाल की जमकर तारीफ

लॉस एंजिल्स। जेसन मोमोआ ने अपनी आने वाली फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के सह-कलाकार विद्युत जामवाल की खूब तारीफ की है। जेसन ने विद्युत को सबसे खूबसूरत दिखने वाले पुरुषों में से एक बताया है। खास बात यह है कि यह फिल्म विद्युत के हॉलीवुड करियर की शुरुआत है। जेसन ने सिर्फ उनकी खूबसूरती ही नहीं सराही, बल्कि उनके मार्शल आर्ट्स के हुनर को भी 'अविश्वसनीय' बताया है। इससे पता चलता है कि सेट पर दोनों कलाकारों के बीच काफी सम्मान है। किताओ सकुराई के निर्देशन में बनी 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत के साथ नोआ सेंटिनियो, एंड्रयू कोजी और रोमन रेंस भी दिखेंगे। यह फिल्म 16 अक्टूबर, 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी। एक दिलचस्प बात यह है कि इस साल की शुरुआत में लास वेगास में हुए। सिनेमाकॉन में, विद्युत ने अपने सह-कलाकारों के साथ मिलकर ट्रेलर लॉन्च के दौरान गायत्री मंत्र का जाप किया था।

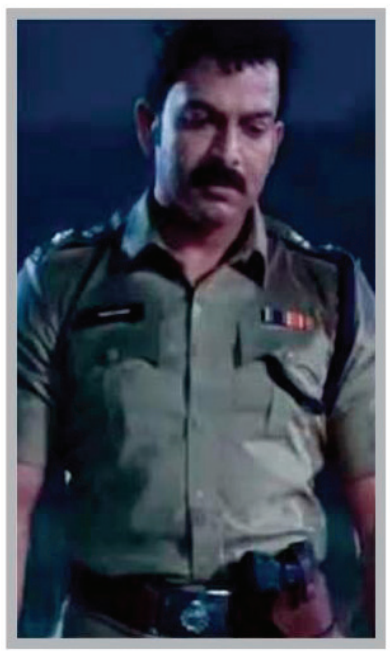

दायरा में पुलिस बनेंगे पृथ्वीराज- करीना

मुंबई। मेघन गुलज़ार ने अपने निर्देशन में बन रही फिल्म 'दायरा' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में करीना कपूर और मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार एक साथ नजर आएंगे। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस रोमांचक थ्रिलर की कहानी मेघना, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। निर्माताओं ने फिल्म के सेट से एक बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। साथ में इसकी रिलीज तारीख का खुलासा भी कर दिया है। यह 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बीटीएस वीडियो के साथ आई रिलीज तारीख जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज द्वारा निर्मित 'दायरा' में, करीना और पृथ्वीराज पहली बार पुलिस अधिकारी के किरदारों में नज़र आएंगे।

फिल्म बांदर ने जीता ऑस्ट्रेलिया का दिल

मुंबई। बॉबी देओल की थ्रिलर फिल्म 'बांदर', जो 5 जून को रिलीज हुई और फिलहाल सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीत रही है, इस साल मेलबर्न में नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया का समापन करेगी। अनुराग कश्यप निर्देशित इस फिल्म को रिलीज के बाद से ही इसकी अनूठी कहानी और दमदार अभिनय के लिए खूब सराहा जा रहा है। यही वजह है कि नीफा के ऑस्ट्रेलिया भर के बड़े दौरे के लिए इसे समापन फिल्म के तौर पर चुना गया है। इस साल यह फेस्टिवल ऑस्ट्रेलिया के 9 शहरों में आयोजित किया गया, जहां नई और चर्चित फिल्मों के साथ-साथ 'मंथन' जैसी क्लासिक फिल्मों को भी 4के क्वालिटी में पेश किया गया। बॉबी के अलावा, 'बांदर' में सान्या मल्होत्रा और राज बी शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

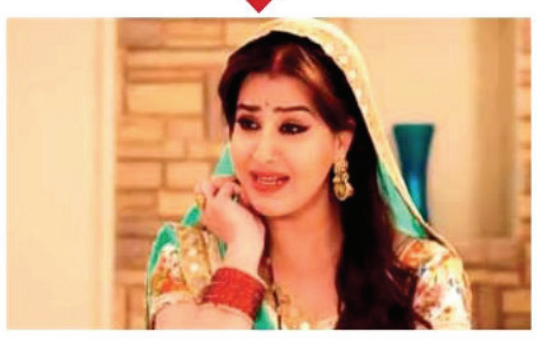

टीवी मसाला

शिल्पा शिंदे का 'टीवी माफिया' पर फूटा गुस्सा- रास्ते पर सब्जी बेच लूंगी

मुंबई। 'भाभी जी घर पर हैं' के निर्माता पर लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को लेकर चर्चा में चल रहीं शिल्पा शिंदे ने अब अभिनेता शहजादा धामी के मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शहजादा के करीब 30 लाख रुपये के बकाया भुगतान न मिलने और शिकायत के बावजूद संबंधित निर्माता पर कोई कार्रवाई न होने की खबरों पर शिल्पा का गुस्सा फूटा है। टीवी 'माफिया' को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने इस पूरे सिस्टम पर गहरा आक्रोश जताया है।

कौन हैं संस्कृति जयना... जिन्होंने 'कृष्णावतरम' में निभाई सत्यभामा की भूमिका

मुंबई। फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' में संस्कृति जयना ने भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के बाद से वह चर्चा में आ गई हैं। हर कोई उनके बारे में जानना चाह रहा है। आपको बता दें कि उनका गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री से खास नाता है।

संस्कृति की पारिवारिक पृष्ठभूमि : संस्कृति जयना गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश की वर्तमान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पोती और बिजनेसमैन अनार पटेल की बेटी हैं, जो क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के साथ अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उनके पिता, जयेश पटेल, एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

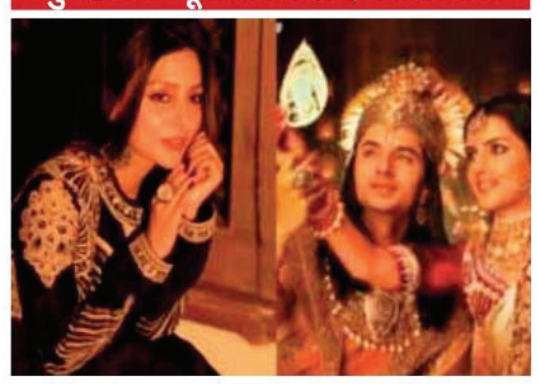

फैशन करियर में बनाई पहचान : फिल्म जगत में डेब्यू करने से पहले, संस्कृति ने फैशन मैनेजमेंट और व्यवसाय का अध्ययन किया और लंदन के राडा, ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म स्कूल, न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी और लंदन कॉलेज ऑफ फैशन में अभिनय और नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना खुद का फैशन ब्रांड शुरू किया। बाद में उन्होंने कंसल्टिंग के क्षेत्र में कदम रखा और जिमी चू और बोटेगा वेनेटा जैसे ब्रांडों के साथ काम किया, साथ ही अपनी मां के सामाजिक उद्यमों, क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के लिए मार्केटिंग का काम भी संभाला।

गुजरात के पूर्व सीएम से है खास नाता

सत्यभामा की भूमिका से जीता दिल

कृष्णावतारम भाग 1: हार्ट फिल्म में श्रीकृष्ण की कहानी सत्यभामा के दृष्टिकोण से बताई गई है, जिससे संस्कृति को सहायक भूमिका के बजाय फिल्म के केंद्र में रखा गया है. फिल्म में उनके चरित्र को बहुत ही बखूबी ढंग से दर्शाया गया है। बता दें कि रिलीज से पहले स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यभामा के रूप में उनके अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का अच्छी तरह प्रतिनिधित्व किया है।

'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की 10 दिन और शूट करेंगे सिद्धार्थ- तमन्ना

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की शूटिंग अब 10 दिन और चलेगी। टीम ने जब फिल्म का अंतिम कट देखा, तो उन्हें महसूस हुआ कि कुछ खास पलों, खासकर क्लाइमैक्स में और अधिक जान डालने की जरूरत है। उनका मानना है कि ऐसा करने से फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ पाएगी। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपनी तय रिलीज 28 अगस्त को ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

निर्देशक 'वन' की दुनिया को दे रहे हैं नया विस्तार : दीपक कुमार मिश्रा और अरुणभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन' पौराणिक कथाओं, रहस्य और जंगल से जुड़ी लोककथाओं का मिश्रण है, जिसे एक थ्रिलर के रूप में पेश किया गया है। फिल्म निर्माता एक ऐसी समृद्ध दुनिया तैयार करना चाहते हैं, जिसमें माहौल से जुड़े बारीक विवरण हों और स्थानीय कहानियों की परंपरा भी झलकती हो। शूटिंग का समय बढ़ाने का यह फैसला दर्शाता है कि वे चाहते हैं कि फिल्म का क्लाइमैक्स दर्शकों के दिलो-दिमाग पर अपनी छाप छोड़े।

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.